हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, शनिवार 17 अक्टूबर 2026

तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 21.2 डिग्री

10 नशे के मामले 107 से बढ़कर 157 हुए, गिरफ्तारियां ...



11 जामगांव आर और औरी की दूरी 5 से घटकर ...




न्यू
ओम ज्वेलर्स
हर 6000/- की खरीदी पर एक चांदी का सिक्का फ्री
शुद्ध सोने एवं चांदी के जेवरों के विक्रेता
टोटल हालमार्क ज्वेलरी उपलब्ध
जवाहर मार्केट, मेन सर्विस रोड, पावर हाऊस, भिलाई SUNDAY OPEN
शुभ खरीदी के लिए ओम ज्वेलर्स परिवार में आपका स्वागत है
▪ मिनीमम एमाउंट में बुकिंग करें ▪ जितना सोना उतना चांदी फ्री
संबंधित प्रतिष्ठान : ओम ज्वेलर्स
शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग | बाजार चौक, कुम्हारी | रिसाईपारा, धमतरी

नवरात्रि विशेष



सप्तमी : कालरात्रि

माता दुर्गा की सातवीं शक्ति कालरात्रि नाम से विख्यात है। सातवें नवरात्रि की मां कालरात्रि के पूजन का विधान है। मां का यह स्वरूप अत्यंत भयानक है। इनके शरीर का रंग घने अंधकार की तरह काला है। सिर के बाल बिखरे हुए हैं। गले में बिजली की भांति चमकने वाली माला है। लेकिन मां का यह रुप सदैव शुभ फल देने वाला है। इसी कारण इनका एक नाम शुभंकरी भी है। मां कालरात्रि अपने भक्तों को दुष्टों से बचाने वाली है। कालरात्रि मां ग्रह बाधा को दूर भगाती है। मनुष्य को मन से कालरात्रि की अवश्य करना चाहिए। मां कालरात्रि उपर से उठे हुए दाहिने हाथ अभयमुद्रा में है। बांया तरफ के उपर वाले हाथ में लोहे का कांटा और नीचे वाले हाथ में खडग है। माता के इस रुप की पूजा करने वाले भक्त का मन सहस्रार चक्र में स्थित रहता है। मां की पूजा मात्र से भक्तों के सारे कष्ट दूर होने लगते हैं। उसके लिए ब्रह्मांड की संपूर्ण सिद्धियों के द्वार खुलने लगते हैं। इनकी पूजा- करने वाले को अग्नि भय,जल भय, शत्रु भय, रात्रि भय कभी नहीं होते। इन मां की कृपा से भक्त सर्वथा भय से दूर रहता है। मां कालरात्रि भक्तों को सदैव सुख देने वाली है। इनकी उपासना का श्लोक है-

एकवेणी जपाकर्णपूरा नग्ना खरास्थिता।
लम्बोष्ठी कर्णिकाकर्णी तैलाभ्यक्तशरीरिणी।।
वामपादोल्लसल्लोहलताकण्टकभूषणा।
वर्धनमूर्धध्वजा कृष्णा कालरात्रिर्भयंकरी ।।

हर महीने तीन हजार से ज्यादा एक्सरे फिल्म की पड़ती है जरूरत, निजी डायग्नोस्टिक सेंटरों में जाने मजबूर हैं मरीज

जिला अस्पताल में नहीं है एक्सरे फिल्म, मरीजों की जांच अटकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

जिले के सबसे बड़े दुर्ग जिला अस्पताल में एक्सरे फिल्म नहीं है। इसलिए सप्ताहभर से एक्सरे नहीं हो पा रहा है। अस्पताल में ज्यादातर गरीब वर्ग के मरीज इलाज के लिए आते हैं। बिना एक्सरे फिल्म के डॉक्टरों को मरीजों की डायग्नोसिस करने में दिक्कतें आ रही हैं। वहीं मरीजों को एक्सरे के लिए निजी डायग्नोस्टिक सेंटरों में भेजा जा रहा है। जिसकी वजह से मरीजों की जेबें भी ढ़ीली हो रही हैं। हर दिन औसत 100 एक्सरे जिला अस्पताल में होते हैं। इस हिसाब से महीने में 3000 एक्सरे फिल्म की जरूरत पड़ती है। एक्सरे की सुविधा ठप होने का असर दुर्घटना में घायल मरीजों, हाथ-पैर की हड्डी में चोट या फ्रैक्चर की आशंका वाले लोगों और विभिन्न बीमारियों से पीड़ित मरीजों पर पड़ रहा है। अस्पताल में दाखिल मरीजों को भी जरूरत पड़ने पर एक्सरे के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है।



खास खबर

प्राइवेट जांच केंद्रों में अधिक पैसा करना पड़ रहा खर्च

पहला- जिला अस्पताल में महज 50 से 150 रुपए शुल्क

जिला अस्पताल में बीपीएल वर्ग को निःशुल्क एक्सरे का प्रावधान हैं। यानी बिना पैसे के ही बीपीएल वर्ग के मरीजों का एक्सरे हो जाता है। अन्य वर्ग के मरीजों को एक्सरे करवाने पर 50 रुपए से लेकर 150 रुपए तक मामूली शुल्क लिए जाते हैं। इनमें छोटे एक्सरे, मध्यम और बड़े एक्सरे के हिसाब से अलग-अलग शुल्क तय किया गया है। सरकारी अस्पताल में जांच की सुविधा मिलने से गरीब और जरूरतमंद मरीजों को आर्थिक राहत मिलती है। लेकिन फिल्म नहीं होने से मरीज इस सुविधा का लाभ नहीं ले पा रहे हैं।

दूसरा- निजी डायग्नोस्टिक सेंटरों में 100 से 300 रुपए

निजी डायग्नोस्टिक सेंटरों में एक्सरे का शुल्क 100 रुपए से लेकर 300 रुपए तक लिए जाते हैं। जिसमें छोटी, बड़ी और मध्यम फिल्म के हिसाब से ये शुल्क लिए जाते हैं। मरीजों को जिला अस्पताल से निजी डायग्नोस्टिक सेंटरों से एक्सरे करवाने पर दुगुना शुल्क का भार वहन करना पड़ रहा है। जिसकी वजह से मरीजों की जेबें ढ़ीली हो रही है। खासकर उन परिवारों को परेशानी हो रही है, जो इलाज के लिए सरकारी अस्पताल पर निर्भर हैं। पहले अस्पताल में कम खर्च में होने वाली जांच के लिए अब उन्हें अतिरिक्त राशि खर्च करनी पड़ रही है।

बिना एक्सरे डॉक्टर मरीजों का नहीं कर पा रहे डायग्नोसिस

डॉक्टरों के मुताबिक दुर्घटना में घायल होकर अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों के हाथ-पैर में चोट लगने पर डॉक्टरों को फ्रैक्चर की स्थिति जानने के लिए एक्सरे की जरूरत पड़ती है। इसी तरह हड्डियों में दर्द, सूजन या अन्य समस्याओं के मामलों में भी जांच जरूरी हो सकती है। एक्सरे रिपोर्ट के आधार पर डॉक्टर चोट की स्थिति का आंकलन कर आगे के उपचार का निर्णय लेते हैं। फिल्म उपलब्ध नहीं होने से मरीजों को बाहर जांच कराने की सलाह देनी पड़ रही है। अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए यह स्थिति और मुश्किल हो सकती है, क्योंकि उन्हें जांच कराने के लिए बाहर ले जाने या रिपोर्ट की व्यवस्था करने में समय लगता है।

मरीजों की जुंबानी, इलाज में हो रही है देरी : मरीज ढुकालू राम, अवध प्रसाद, रामकुमार, अवधेश, रमेशरी बाई, ज्योति, कमलाबाई आदि ने बताया जिला अस्पताल में एक्सरे नहीं हो रहा है। उनके परिजन यहां भर्ती हैं लेकिन एक्सरे नहीं होने की वजह से उनके इलाज में देरी हो रही है। यहां भर्ती मरीजों को निजी डायग्नोस्टिक सेंटरों में भी एक्सरे के लिए नहीं ले जा सकते। वहीं मरीज कम खर्च की वजह से जिला अस्पताल पहुंचते हैं।

खरीदी के लिए ऑर्डर दिया जा चुका है

एक्सरे फिल्म परचेस के लिए हमें सीजीएमएससी रायपुर से परमिशन की जरूरत पड़ती है। इसलिए समय लगा। 2 हजार एक्सरे फिल्म परचेस के लिए आर्डर परमिशन मिला है। जल्दी ही एक्सरे फिल्म हमें मिल जाएगी। -डॉ. एके मिंज, सिविल सर्जन, जिला अस्पताल

खड़ी ट्रकों से बैटरियां पार करने वाले 6 आरोपियों को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई



ट्रकों से बैटरी चोरी करने वाले 6 युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर दो लाख रुपए का सामान जब्त किया है।

भठ्ठी पुलिस ने बताया कि ग्राम हालपुर बालापुर, बांसडीह, उत्तर प्रदेश जो वर्तमान में विश्व बैंक कालोनी भिलाई तीन निवासी वेदप्रकाश शुक्ला उर्फ मुलायम, आदर्श सिंह, एमआईजी 19/10, जवाहर नगर, जामुल जसबीर सिंह, टाटा लाइन, क्वार्टर नंबर 43ए, कैम्प 2 अरविंद सोनकर उर्फ बाहूबली, एलआईजी 384, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, उमदा लुकेश कुमार ओगरे को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से 19 बैटरियां जब्त की गई। जिसकी कीमत 2 लाख रुपए आंकी गई है। एक्टिवा सीजी 07 सीजे 1689, बाइक सीजी 07 बीडी 0749 को जब्त किया गया है। युवकों द्वारा बीएसपी क्षेत्र, बोरिया गेट, चाइना मार्केट के आसपास खड़े ट्रकों, ट्रेलर वाहनों से बैटरियां पार करना स्वीकार किया। एचटीसी प्राइवेट कंपनी की ट्रक मुर्गा चौक, सेक्टर 1 ओवरब्रिज के नीचे खड़ी थी। जिसके बैटरी को निकाला गया था। सुबह चालक आने पर चेक किया तो बैटरी गायब मिला।

मौसम ने ली करवट ट्विनसिटी में डेढ़ घंटे तक बारिश

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

ट्विनसिटी में शुक्रवार को मौसम ने अचानक करवट ली। सुबह से तेज धूप और गर्मी के बीच दोपहर करीब एक बजे आसमान में काले बादल छा गए और देखते ही देखते झमाझम बारिश शुरू हो गई। मरोदा और रिसाली क्षेत्र में करीब डेढ़ घंटे तक लगातार बारिश हुई। वहीं रूआबांधा, सेक्टर क्षेत्र, सुपेला, छावनी और दुर्ग शहर के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश दर्ज की गई। दोपहर में हुई बारिश से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं शाम होते-होते मौसम का मिजाज फिर बदल गया। बारिश थमने के बाद ट्विनसिटी के आसमान में घना कोहरा छा गया, जिससे सड़कों पर आवाजाही करने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।



अधिकतम तापमान सामान्य से 1.9 डिग्री कम

मौसम में आए बदलाव का असर तापमान पर भी दिखाई दिया। शुक्रवार को दुर्ग-भिलाई का अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.9 डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 21.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन में तेज धूप के बाद बारिश और शाम को कोहरा छाने से मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिला।

मानसून की विदाई के बाद भी बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक सम्पूर्ण भारत से दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई हो चुकी है। इसके बावजूद दुर्ग जिले में स्थानीय मौसमी परिस्थितियों के प्रभाव से बारिश का दौर देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग ने शनिवार 17 अक्टूबर को भी दुर्ग जिले सहित प्रदेश के कई क्षेत्रों में बारिश होने की संभावना जताई है। ऐसे में लोगों को अगले दिन भी मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है।

21 अक्टूबर से गिरेगा न्यूनतम तापमान : मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, प्रदेश में 21 अक्टूबर से न्यूनतम तापमान में गिरावट का दौर शुरू होने की संभावना है। 21 अक्टूबर से उत्तर छत्तीसगढ़ में और 22 अक्टूबर से दक्षिण छत्तीसगढ़ में न्यूनतम तापमान गिरने के आसार हैं। तापमान में गिरावट के साथ सुबह और रात के समय ठंडक बढ़ सकती है।

पांडेय कबाड़ी से पूछताछ में हो सकता है लोहा चोरी में बड़ा खुलासा : रिकेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

बीएसपी में लोहा चोरी के मामले में वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन ने एक बार फिर डीआईजी और एसएसपी से चर्चा कर कड़ी कार्रवाई के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसी की एंट्री हो चुकी है। उन्होंने कहा कि राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशन के बाद भी चोरी की घटनाएं जारी है।

छावनी क्षेत्र स्थित पांडेय कबाड़ी के गोदाम में हुई जांच के बाद बड़ी मात्रा में लोहा और काटकर लोहे के एंगल रखे हुए मिले। एंगल में सेल लिखा हुआ था। उन्होंने कहा कि यदि बीएसपी का लोहा चोरी होकर कबाड़ के गोदामों तक पहुंच रहा है, तो यह बेहद गंभीर विषय है। उन्होंने लोहे को धर्मकांटा से निकलने के बाद रास्ते में रोक कर



■ वैशालीनगर विधायक ने डीआईजी और एसएसपी से की चर्चा

काटने, अलग-अलग हिस्सों में रखने और फिर गंतव्य तक पहुंचाने की आशंका जताई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि वर्षों से संगठित गिरोह इस काम में सक्रिय है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की मिलीभगत से ही चोरी संभव है। पांडेय कबाड़ी के गोदाम के बाद नए खुलासे हो सकते हैं।

40 मेडिकल फर्मों का निरीक्षण खरीदी-बिक्री का रिकॉर्ड नहीं रखने वालों को दिया नोटिस

लगातार जारी है खाद्य और औषधि प्रशासन की जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने 40 मेडिकल फर्मों का निरीक्षण किया। इस दौरान कुछ मेडिकल स्टोर्स में दवाओं के क्रय-विक्रय और शेड्यूल एच-1 के रिकॉर्ड का संधारण नियमानुसार नहीं पाए जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किए गए।

वहीं नेहरू नगर स्थित आशीर्वाद ब्लड सेंटर के निरीक्षण में कोई अनियमितता नहीं मिली। विभाग के अनुसार धमधा ब्लॉक के ग्राम पेंडरी गोबरा स्थित मेसर्स मां कमला मेडिकल स्टोर्स और आशा लक्ष्मी मेडिकल स्टोर्स में औषधियों के क्रय-विक्रय रिकॉर्ड तथा शेड्यूल एच-1 के रिकॉर्ड का संधारण नियमानुसार नहीं पाया गया। इस पर दोनों फर्मों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। इसी तरह नेहरू नगर भिलाई स्थित दिशा मेडिकल स्टोर्स में फार्मासिस्ट अनुपस्थित मिलने पर संबंधित फर्म को भी नोटिस जारी किया गया। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पिछले महीने निरीक्षण के दौरान रिकॉर्ड संधारण में अनियमितताएं पाए जाने पर कुछ मेडिकल फर्मों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। संबंधित फर्मों से संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के बाद न्यू भावना मेडिकल स्टोर्स बोरसीभाठा दुर्ग, मां हरसिद्धि मेडिकोज बोरसी दुर्ग, श्रीवेदिका मेडिकल स्टोर्स कुम्हारी, मां लक्ष्मी मेडिकल स्टोर्स सिरसा रोड कोहका, प्रशांत मेडिकल तितुरडीह, मनीष मेडिकल परमार गली कैलाश नगर, गुरुदेव मेडिकोज ग्राम कातरो और प्रधानमंत्री जन औषधि स्टोर जलेबी चौक भिलाई के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की जा रही है।

■ पान ठेलों पर की गई चालानी कार्रवाई, 11 दुकानों से वसूला जुर्माना

इसके अलावा कोटपा अधिनियम के तहत दुर्ग के गंजपारा क्षेत्र में संचालित विभिन्न पान ठेलों पर भी कार्रवाई की। इस दौरान 11 चालानी कार्रवाई करते हुए 700 रुपये का जुर्माना लगाया गया। विभाग ने मेडिकल फर्मों में दवाओं के रिकॉर्ड के नियमानुसार संधारण और फार्मासिस्ट की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण की कार्रवाई की।



नारकोटिक्स का रिपोर्ट कार्ड : नगरीय प्रशासन के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने की समीक्षा

नशे के मामले 107 से बढ़कर 157 हुए, गिरफ्तारियां 262 से बढ़कर 330 व सामान की जब्ती 1.40 से 10.88 करोड़ पहुंची

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

नगर प्रशासन के प्रमुख सचिव और जिले के प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा शुक्रवार को जिले के दौरान पर रहे। इस दौरान उन्होंने होने वाले कार्यों की जानकारी ली। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग के सभाकक्ष में नारकोटिक्स नियंत्रण एवं विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बिजली, पानी, आवास, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के साथ जिले में संचालित विकास योजनाओं, निर्माण कार्यों और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई। प्रभारी सचिव ने सभी विभागों को पारदर्शिता, समयबद्धता, ईमानदारी और जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। एनडीपीएस के मामलों, मादक पदार्थों की जब्ती और सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित आंकड़ों की समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने बताया कि पिछले वर्ष एनडीपीएस के तहत 107 कार्रवाई की गई थी, जबकि इस वर्ष यह संख्या बढ़कर 157 हो गई है। इसी प्रकार गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 262 से बढ़कर 330 हो गई है। मादक पदार्थों की जब्ती का मूल्य भी पिछले वर्ष के 1.40 करोड़ रुपये की तुलना में बढ़कर इस वर्ष 10.88 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने बताया कि मादक पदार्थों की आपूर्ति करने वाले नेटवर्क की पहचान कर उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। भिलाई-दुर्ग क्षेत्र के कुछ मोहल्लों और कुम्हारी के संवेदनशील इलाकों में अवैध नशा कारोबार पर निगरानी बढ़ाई गई है।

प्रभारी सचिव की अध्यक्षता में विभागीय समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई





नशे के खिलाफ लोगों को जागरूक करने के निर्देश

प्रमुख सचिव बोरा ने स्कूलों, कॉलेजों और व्यावसायिक संस्थानों में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा टोल-फ्री नंबर 1933 का प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने पेंटिंग प्रतियोगिताओं, नुक्कड़ नाटकों और अन्य जनभागीदारी आधारित गतिविधियों के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों एवं रोकथाम के उपायों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने पर जोर दिया। साथ ही नशे की गिरफ्त में आए लोगों को उपचार, पुनर्वास और समय पर काउंसलिंग की सुविधा उपलब्ध कराने की आवश्यकता बताई। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में आपातकालीन सेवाओं को मजबूत करने पर भी चर्चा की गई।

एसटीपी प्लांट और पीएमई-बस डिपो का अवलोकन

सोनमणि बोरा ने दुर्ग निगम के अंतर्गत उरला में निर्माणाधीन एसटीपी प्लांट और पीएमई-बस डिपो का अवलोकन किया। उन्होंने एसटीपी प्लांट के अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। साथ ही निर्माण कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिये। इसी प्रकार नवम्बर माह से दुर्ग-भिलाई नगर में प्रारंभ होने जा रहे ई-बस सेवा अंतर्गत बस डिपो का अवलोकन किया और आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने डिपो अंतर्गत चार्जर पाइंट लगाने के कार्य शीघ्र पूर्ण करने और स्थल में आवश्यक मरम्मत कराने के निर्देश दिये। इस अवसर पर अतिरिक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री पुलक भट्टाचार्य, नगर निगम दुर्ग की आयुक्त सुश्री लीना कोसम और एसडीएम दुर्ग शहर श्री प्रफुल्ल गुप्ता एवं नगर निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्ट्रेट शताब्दी गार्डन में पौधरोपण

सोनमणि बोरा ने अधिकारियों की बैठक के पूर्व कलेक्ट्रेट परिसर स्थित शताब्दी गार्डन में पौधरोपण किया। उन्होंने मौलश्री का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने निगम आयुक्त को शताब्दी गार्डन का संधारण कर इसे पब्लिक गार्डन के रूप में विकसित करने के निर्देश दिये ताकि आम लोगों को भी लाभ मिल सकें। इसी कड़ी में वन मंडलाधिकारी श्री सी.पी. अग्रवाल, अतिरिक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास पुलक भट्टाचार्य, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, नगर निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह, नगर निगम दुर्ग की आयुक्त लीना कोसम, नगर निगम भिलाई चरौदा के आयुक्त डी.राजपूत और एसडीएम दुर्ग सोनाल डेविड ने भी मौलश्री एवं अन्य प्रजाति के फलदार पौधरोपण किये।

सेजेस कुम्हारी में किया रोबोटिक्स एवं विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन

सोनमणि बोरा ने पीएम सेजेस कुम्हारी में रोबोटिक्स एवं विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। साथ ही रोबोटिक्स लैब का अवलोकन किया और प्रायोगिक प्रक्रिया के संबंध में जानकारी ली। इस अवसर पर नगरीय प्रशासन विभाग के अतिरिक्त संचालक पुलक भट्टाचार्य, एडीएम विरेन्द्र सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी जगदीश सिंह धीर, विद्यालय की प्राचार्य डॉ. विजया श्रीवास्तव, आईडीबीआई बैंक के जोनल मैनेजर एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। विद्यालय में रोबोटिक्स लैब की स्थापना विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक, विज्ञान एवं नवाचार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस लैब के माध्यम से विद्यार्थी रोबोटिक्स एवं तकनीकी अवधारणाओं को प्रायोगिक गतिविधियों के माध्यम से समझ सकेंगे। इससे उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक चिंतन, रचनात्मकता, समस्या समाधान तथा तकनीकी कौशल विकसित करने में सहायता मिलेगी। बोरा ने विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों एवं विकास की सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्तमान तकनीकी युग में विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक एवं तकनीकी ज्ञान प्रदान करना भी आवश्यक है। उन्होंने रोबोटिक्स लैब के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रयोगशालाएँ विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार एवं तकनीकी दक्षता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इनके माध्यम से विद्यार्थी प्रयोग करके सीखने की प्रक्रिया से जुड़ते हैं तथा भविष्य की तकनीकी चुनौतियों का सामना करने के लिए स्वयं को तैयार कर सकते हैं।

रिश्तेदार के घर से जेवरात पार, गिरफ्तार

भिलाई। रिश्तेदार के घर से जेवरात पार करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके पास से पुलिस ने 60 हजार रुपए के जेवरात जब्त किया है। ग्राम रवेलीडीह नंदिनी निवासी रुबिना बेगम के मकान से सोने-चांदी के जेवरात पार होने की शिकायत पुलिस से की गई। जांच के बाद पुलिस ने मुखबिर सूचना के आधार पर संदेही को पकड़ा गया। पूछताछ करने पर अपना नाम बालाघाट निवासी सोहेल अली बताया है।

प्रिवेंटिव विजिलेंस ने किया जागरूक



भिलाई। संयंत्र के सतर्कता विभाग एवं सीबीडी द्वारा केंद्रीय सतर्कता आयोग के तत्वावधान में संचालित तीन माह के प्रिवेंटिव विजिलेंस अभियान के अंतर्गत ठेकेदारों के लिए जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। मुख्य महाप्रबंधक प्रभार बिजय कुमार बेहेरा, एसीवीओ सुनील सिंघल तथा सीजीएम सेशु सी श्रीनिवास विशेष अतिथि थे। महाप्रबंधक रेणु गुप्ता, महाप्रबंधक टीएन साहू और महाप्रबंधक संतोष कुमार साहू सहित अन्य मौजूद थे। इस दौरान नवनीत शर्मा और सुधा पाढ़ी ने जैम पोर्टल और नियमों की जानकारी दी गई।

// आमसूचना //

मैं अपने पक्षकार से प्राप्त अधिकार व निर्देश पर आम जनता को सूचित किया जाता है कि भोला (भोलाराम तिवारी) आ. प्रहलाद प्रसाद तिवारी, अधिराज तिवारी व पंकज तिवारी दोनो का पिता भोला प्रसाद तिवारी तीनो निवासी ग्राम टेकापार, तह. बोरी, जिला-दुर्ग (छ.ग.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि मौजा टेकापार प.ह.नं. 03, तह. बोरी व जिला-दुर्ग में स्थित कृषि भूमि खसरा . 1492/2, 1516, 1517 1518, 1519/1, 1519/2, 1521, 1522, 1523/2, 1524/3, 1525/1, 1525/2 कुल खसरा 12 कुल रकबा 2.16 हे. = 5.40 एकड़ स्थित है, उपरोक्त भूमिस्वामीगण से धर्मेन्द्र मालवीय आ. रामलाल मालवीय निवासी - म. नं. 65, मारूती इन्फो सिटी, सांकरा, तह. पाटन, जिला दुर्ग, इकरार प्राप्तकर्ता हैं। उपरोक्त भूमि को मेरे पक्षकार द्वारा इकरार प्राप्तकर्ता धर्मेन्द्र मालवीय से क्रय करने का पक्का सौदा कर अग्रिम राशि गवाहों के समक्ष प्रदान कर इकरारनामा का निष्पादन किया गया है इकरारनामा की शर्तों के अनुसार मेरे पक्षकार अपने पक्ष में शेष प्रतिफल की राशि अदा कर विक्रय पंजीयन कराया जाना है।

अतः उपरोक्त संव्यवहार अथवा उसके किसी भाग के स्वत्व अंश व हित अथवा आधिपत्य के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, निगम, निकाय, बैंक व किसी परिवारिक सदस्य या किसी अन्य को, किसी भी प्रकार से उजर, आपत्ति या दावा हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर मेरे अधोलिखित पते पर मय दस्तावेज उपस्थित होकर आपत्ति दर्ज करावें, बाद ग्याद प्रस्तुत आपत्ति मेरे पक्षकार के उपरोक्त संव्यवहार में किसी भी प्रकार से बंधनकारी अथवा प्रभावकारी नही होगा तथा मेरा पक्षकार उक्त वर्णित संपत्ति का बैनामा पंजीयन अपने पक्ष में करवाने मे स्वतंत्र होगा।

उपरोक्तानुसार सर्व साधारण सूचित हो।

दुर्ग, दिनांक 16/10/2026

भरत दास वैष्णव (अधिवक्ता)
जिला न्यायालय, दुर्ग (छ.ग.)
मो.- 9300673466



भिलाई नगर के वार्डों में 1.96 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की स्वीकृति

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई



छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय की पहल पर भिलाई नगर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में लगभग 1.96 करोड़ के विकास कार्यों को स्वीकृति मिली है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव द्वारा प्रदान की गई इस स्वीकृति से क्षेत्र में सड़क निर्माण, गार्डन सौंदर्यीकरण, प्रकाश व्यवस्था, मुक्तिधाम उन्नयन सहित विभिन्न नागरिक सुविधाओं का विस्तार होगा। स्वीकृत विकास कार्यों में वार्ड क्रमांक 38 सोनिया गांधी नगर में शिवालय के समीप गार्डन सौंदर्यीकरण एवं प्रकाश व्यवस्था के लिए 20 लाख रुपये तथा वार्ड 46 दुर्गा मंदिर क्षेत्र के उड़िया बस्ती मिलावट पारा में सीसी रोड निर्माण के लिए 20 लाख रुपये शामिल हैं। इसी प्रकार वार्ड 42 गौतम नगर के तेलुगु मोहल्ला में सीसी रोड निर्माण के लिए 9 लाख रुपये, प्रवेश द्वार निर्माण के लिए 9 लाख रुपये, पंचशील नगर में सीसी रोड निर्माण के लिए 9 लाख रुपये तथा गली क्रमांक 5 में गार्डन सौंदर्यीकरण एवं प्रकाश व्यवस्था के लिए 23 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वार्ड 48 जोन-03 खुर्सीपार में विभिन्न स्थानों पर सीसी रोड निर्माण के लिए 10 लाख रुपये एवं बीएसपी पानी टंकी के पीछे फेंसिंग तथा सौंदर्यीकरण के लिए 6 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है।

इसके अतिरिक्त वार्ड 40 शहीद सुमन यादव नगर छावनी में मुक्तिधाम के उन्नयन एवं जीर्णोद्धार के लिए 30 लाख रुपये तथा श्रमिक नगर बस्ती में पेवर ब्लॉक निर्माण के लिए 20 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं। वार्ड 56 सेक्टर-02 पश्चिम में डोम शेड निर्माण के लिए 10 लाख रुपये, वार्ड 45 बालाजी नगर में अग्निकुल क्षत्रिय समाज स्नानागार एवं शौचालय के लिए 5 लाख रुपये सहित अन्य कामों को स्वीकृति मिली है। प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में भाजपा सरकार छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

वैशाली नगर के 37 वार्डों के लिए 9.41 करोड़ के 49 कामों को मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई



वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में वार्ड-1 से 37 तक 9.41 करोड़ के 49 कार्यों की प्रशासकीय व अनुदान स्वीकृति प्रदान की गई। इसमें सूर्या मॉल चौक के सामने चौक निर्माण, नाली निर्माण, सड़क चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण, नेहरू नगर, राधिका नगर एवं मैत्री विहार क्षेत्र के वार्ड-4 नेहरू नगर ब्लॉक 16 एवं 17 के बीच सीसी रोड, पुलिया तथा ब्लॉक 64 में सीसी रोड व नाली निर्माण कार्य, वार्ड-5 में डोम शेड निर्माण, राधिका नगर/मैत्री विहार में सीवरेज लाइन कार्य, मैत्री उद्यान व डोम शेड निर्माण, श्याम सदन में हाट निर्माण एवं पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य, सुपेला, लक्ष्मी नगर, सुंदर नगर एवं शांति नगर क्षेत्र के वार्ड-10 मंच के सामने शेड, दुर्गा मंदिर के पास सामुदायिक भवन, दुर्गा पारा में शेड तथा हनुमान मंदिर परिसर सब्जी मार्केट में बोर खनन, वार्ड-11 सुंदर नगर सामुदायिक भवन व टाटा लाइन में डोम शेड तथा फरीद नगर ईदगाह चौक से निजामी चौक तक मुख्य मार्ग का डामरीकरण, वार्ड-13 सिरसा रोड महिला भवन का जीर्णोद्धार, वार्ड-14 शांति नगर/चंद्र नगर की विभिन्न सड़कों में नाली व सड़क निर्माण, वार्ड-15 वैशाली नगर थाना परिसर में बाउंड्रीवाल व सीसी रोड, इंदिरा गांधी प्रांगण एवं हनुमान मंदिर में डोम शेड निर्माण तथा सियान सदन संधारण, वार्ड-17 सुपेला नेहरू भवन व रैन बसेरा संधारण सहित अन्य कार्य शामिल हैं। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि वे क्षेत्र की जनता की मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और सुगम आवागमन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। सड़कों के सुदृढ़ीकरण, जलनिकासी के लिए नालियों के निर्माण, मांगलिक कार्यों हेतु डोम शेड व सामुदायिक भवनों की लंबे समय से मांग थी। शासन से 9 करोड़ 41 लाख से अधिक की राशि स्वीकृत होने से वार्ड 1 से 37 तक के रहवासियों को सीधा लाभ मिलेगा। शीघ्र ही निविदा प्रक्रिया पूर्ण कराकर निर्माण कार्य प्रारंभ कराए जाएंगे।

धोखाधड़ी के फरार ट्रांसपोर्टर को पुलिस ने पकड़ा

भिलाई। धोखाधड़ी के एक मामले में पुलिस ने फरार ट्रांसपोर्टर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मैनेजर, मनोरमा इंडस्टरीज, करंजा भिलाई मनोज कुमार सिंह ने शिकायत किया था कि यूटीएस ट्रांसपोर्ट से ट्रक 16 एच 5792 में 35.222 टन डीओसी साल बीज को पंजाब भेजने 1.39 लाख 471 में सौदा तय हुआ था। ट्रांसपोर्टर अवनीश दुबे को रकम दिया। ट्रांसपोर्टर अवनीश दुबे, रोहित उर्फ राहुल दीक्षित, जयप्रकाश द्वारा माल को पंजाब नहीं पहुंचाया। शिकायत के बाद प्रकरण में फरार चल रहे ट्रांसपोर्टर अवनीश दुबे की पतासाजी कर उसे टाटीबंध, रायपुर से गिरफ्तार किया गया।

राजस्व वसूली में भी तेजी नहीं, फंड का रोना

चरोदा निगम हुआ कंगाल, कर्मियों को वेतन के लाले

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

- सफाई कर्मियों को भी दिक्कत
- कर्मियों में बढ़ा आक्रोश

नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा अब पूरी तरह से कंगाल हो चुका है। कर्मियों को वेतन के लाले पड़ रहे है। तीन माह से कर्मियों को वेतन नहीं मिलने से आयुक्त से लिखित शिकायत के बाद भी दिक्कत में है। अगस्त-सितम्बर 2026 का वेतन आज तक नहीं मिलने का बड़ा कारण यह है कि निगम की आर्थिक स्थिति बेहत खराब हो गई है। यहां राजस्व की कमी और ठेकेदारों, प्रशासनिक प्रक्रियाओं में देरी मुख्य कारण माना जा रहा है। चरोदा निगम का खजाना खाली होने का असर अब यहां काम करने वाले कर्मियों जेब से लेकर शहर की व्यवस्थाओं तक दिखाई देने लगा है। निगम प्रशासन नियमित कर्मचारियों को तीन महीने से वेतन नहीं मिल रहा है। वहीं प्लेसमेंट कर्मचारियों और सफाई कर्मियों का वेतन भी अटका हुआ है। वेतन नहीं मिलने से परेशान सफाई कर्मियों ने निगम कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन तक कर चुके है। कर्मचारियों ने जल्द बकाया वेतन देने की मांग भी कर चुके की। निगम आयुक्त डीएस राजपूत का कहना है कि फंड नहीं होने के कारण वेतन का भुगतान नहीं हो पा रहा है। निगम प्रशासन और ठेकेदार के बीच फंड को लेकर चल रही खींचतान में सबसे ज्यादा परेशानी कम आय वाले कामगारों को उठानी पड़ रही है। वेतन नहीं मिलने के कारण उनके परिवारों के सामने राशन, बच्चों की स्कूल फीस, दवाइयों और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने का संकट खड़ा हो गया है। चरोदा निगम क्षेत्र में अब यहां के अफसरों की लापरवाही की भेट चढ़ गई है। इसी के कारण सड़क के बिजली खंभों में बल्ब नहीं, सामान खत्म हो गए निगम में फंड की कमी का असर वेतन तक सीमित नहीं है। बल्कि बिजली और जल विभाग के जरूरी रखरखाव को पूरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। बिजली विभाग के पास स्ट्रीट लाइट के लिए जरूरी उपकरणों का स्टॉक खत्म हो चुका है। यही वजह है कि निगम क्षेत्र के करीब 40 फीसदी स्ट्रीट पोल पर या तो बल्ब नहीं हैं या खराब होने के बाद उन्हें बदला नहीं गया है। भिलाई-तीन चरोदा ईकाई अध्यक्ष रामअवतार साहू , कार्यवाहक अध्यक्ष राम कुर्रे, महामंत्री अविनाश चंद्राकर ने जल्द वेतन देने की मांग किया है।



अफसरों और जनप्रतिनिधियों के बीच मची हुई है खींचतान

यहां के जनप्रतिनिधियों और अफसरों के आपसी खींचतान के चलते जनता को वार्ड के विकास के लिए भुगतना पड़ रहा है। निविदा और वर्क ऑर्डर की प्रक्रिया समय पर पूरा होने के बाद भी यहां सिर्फ कमीशन को लेकर वार्ड के विकास को रोक दिया जाता है। लेकिन 40 वार्डों में कई जगह विकास हुआ ही नहीं है। निगम के भीतर चल रही आपसी खींचतान के कारण जनता को विकास कार्यों का लाभ भी लोगों को नहीं मिल पा रहा है। एक तरफ कर्मचारियों और सफाई कर्मियों का वेतन अटका है, दूसरी तरफ स्ट्रीट लाइट, पानी रखरखाव के काम प्रभावित हैं।

40 पार्षदों तक को मानदेय नहीं मिला

भिलाई-चरोदा निगम के 40 वार्ड के पार्षदों को मानदेय राशि तक नहीं मिल पा रहा है। यहां के निगम की आर्थिक स्थिति इतनी बेकार और कमजोर हो चुकी है। अपने पार्षदों तक को मानदेय राशि देना भारी पड़ने लगा है। पार्षदों को पिछले पांच महीने से से राशि नहीं मिल पाया है। यदि उन्हें समय पर मानदेय मिल जाता तो वे अपने स्तर पर वार्डों की खराब स्ट्रीट लाइट ठीक कराने या नए बल्ब खरीदने के लिए निगम का चक्कर लगाते नहीं दिखते है।इधर यहां निगम चुनाव नजदीक होने के कारण जनप्रतिनिधियों को निगम के अधिकारियों की लापरवाही के कारण मुश्किल में आ सकते है।

वेतन नहीं मिला तो करेंगे कामकाज ठप

संघ ने आयुक्त को पत्र के माध्यम से वेतन को लेकर यह चेतावनी दी है कि दशहरा महापर्व से पूर्व 3-4 माह का बचा वेतन का भुगतान किया जाए। नहीं करने की स्थिति में निगम के काम काज को पुरी तरह ठप करने की कार्यवाही कर अनश्चितिकालीन हडताल पर चले जाएगें। परिवारों की स्थिति दयनीय हो गई है।
-राम अवतार साहू, अध्यक्ष स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ भिलाई-चरोदा



अंचल में दुर्गोत्सव की धूम



जामगांव आर। बटरेल में मां दुर्गोत्सव की धूम।



उतई। जय जगदम्बे दुर्गा युवा उत्सव समिति फेकारी।



उतई। सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति तीसरी बटालियन सीआईएसएफ उतई।



अंडा। सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति भानपुरी।



पाटन। श्री नवज्योति दुर्गोत्सव समिति वार्ड नंबर 10 कुम्हार पारा।

42.33 करोड़ के सब-स्टेशन से खुली राह

जामगांव आर और औरी की दूरी 5 से घटकर हो सकती सिर्फ 2 किमी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जामगांव आर

ग्राम पंचायत औरी और ग्राम पंचायत जामगांव आर के मध्य 5 किलोमीटर की दूरी महज 2 किलोमीटर की वरदानित दूरी में सिमट सकती है। बशर्ते ये दोनों पंचायतों के सक्षम सरपंच रुचि लें तो इनके कार्यकाल की ऐतिहासिक रचना साबित हो सकती है। संयोग है कि ग्राम पंचायत जामगांव आर में रूपेंद्र शुक्ला और ग्राम पंचायत औरी में मीनू राकेश शर्मा सरपंच हैं। इन दोनों की सक्षम कार्य शैली से आम जनता इस ऐतिहासिक रचना के लिए आशान्वित है।

विद्यार्थियों, किसानों और व्यापारियों के लिए साबित होगी ऐतिहासिक सौगात



एप्रोच रोड आगे बढ़े तो वरदान साबित होगी

हाल ही में इसी महीने जामगांव आर के नाम का छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड का 42 करोड़ 33 लाख रुपये लागत से निर्मित 132 केव्ही सब स्टेशन औरी में चार्ज किया गया। उल्लेखनीय है कि इस कंपनी ने जो एप्रोच रोड निर्माण किया है उसे मात्र 2 किलोमीटर बढ़ा दें तो जामगांव आर और औरी के मध्य 5 किलोमीटर की दूरी महज 2 किलोमीटर में सिमट जाएगी, जो विकास की नई इबादत लिख सकती है। औरी के ग्रामीणों ने बताया कि गर्मी के दिनों में इस शॉर्टकट रास्ते का उपयोग करते भी हैं, यह रास्ता बोरवाय नाला हनुमान मंदिर के पास जामगांव आर में सीधे जुड़ जाता है।

विद्यार्थियों को आवागमन के लिए अत्यंत सुविधा मिलने से बच्चों के चेहरे खिल उठेंगे

इस नवीन रोड निर्माण से विद्युत विभाग को वरदानित सुविधा मिलेगी और रोड किनारे पड़ने वाले खेत मालिकों की बल्ले-बल्ले हो सकती है। और सबसे महत्वपूर्ण बात तो यह कि जामगांव आर जो क्षेत्र का शैक्षणिक केंद्र है, वहां विद्यार्थियों को आवागमन के लिए अत्यंत सुविधा मिलने से बच्चों के चेहरे खिल उठेंगे। चूंकि जामगांव आर व्यापारिक सेंटर भी है, अतः व्यापार को भी अच्छी गति मिलेगी। दशकों पहले पंचायत के साथी जामगांव आर के विकास में महती भूमिका निभा रहे हैं। औरी, बोरवाय, मनसुली दशकों पहले ग्राम पंचायत जामगांव आर के आश्रित ग्राम हुआ करते थे। समय का पहिया घूमा और ये भी पंचायत बन गए। लेकिन विकास की नई इबादत में ये ग्राम क्षेत्र के विकास में जामगांव आर के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने के लिए तैयार हो रहे हैं, जो निश्चित ही जन-मानस के लिए उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। जामगांव आर शासकीय कॉलेज भरर भूमि में खड़ा है। यदि भरर भी साथ निभाए तो क्षेत्र की विकास गति क्रांतिकारी परिवर्तन के साथ नित्य नई ऊंचाइयों को छुएगी।

सटे ग्रामों की भूमिका अघोषित नगर पंचायत की तरह

जामगांव आर का ट्रांसमिशन पावर सब स्टेशन औरी की भूमि में, थाना और लोक निर्माण विभाग का रेस्ट हाउस मनसुली की भूमि में तथा शासकीय कॉलेज भरर की भूमि में निर्मित है। जामगांव आर के विकास में आसपास के गांवों की महती भूमिका काबिले तारीफ है। जामगांव आर और भंसुली, भरर के मध्य निर्मित और निर्माणाधीन भवन मित्रवत संबंधों का इजहार कर रहे हैं और भविष्य की ओर उज्ज्वल संकेत भी कर रहे हैं। सटे हुए गांवों में जामगांव आर के नाम निर्मित संस्थाओं की भूमिका अघोषित नगर पंचायत के सापेक्ष परिलक्षित होने लगती है, जिसे भविष्य का संकेत मानना बेमानी नहीं होगी।

अंचल की खबरें

व्यंजन, रंगोली और कुर्सी दौड़ में दिखाया हुनर



अंडा। सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्राम कोनारी में 'आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जनपद सदस्य बेला यादव तथा झुनिया साहू ने भारत माता के तैल चित्र पर दीप प्रज्वलित किया। जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पांडे, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अजय साहू एवं परियोजना अधिकारी उषा झा के मार्गदर्शन में ग्रामीण महिलाओं के लिए मटका फोड़, कुर्सी दौड़, व्यंजन सजावट और रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुर्सी दौड़ में लुमन ठाकुर प्रथम व चंद्रमणि यादव द्वितीय रहीं। मटका फोड़ में प्रियंका प्रथम व केसर साहू द्वितीय रहीं। रंगोली प्रतियोगिता में ओम कुमारी ने प्रथम तथा मुस्कान ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं व्यंजन प्रतियोगिता में किरण पाल प्रथम तथा नेमा साहू द्वितीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम के अंतर्गत दियांश, तुशिका व रेयांश का अन्नप्राशन एवं माया चंद्राकर का गोद भराई संस्कार संपन्न कराया गया। आंगनबाड़ी के बच्चों ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता और बाल गीत प्रस्तुत किए। परियोजना अधिकारी उषा झा ने गर्भावस्था के शुरुआती 1,000 दिनों पर विस्तृत जानकारी दी। सेक्टर पर्यवेक्षक ममता साहू ने विभागीय योजनाओं की तथा स्वास्थ्य विभाग से नवीन बंछोर ने स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता षष्ठ चंद्राकर, सुनीता चंद्राकर, आशा लता दिल्लीवार, हिमानी देवांगन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व बच्चे उपस्थित थे।

गातापार स्कूल ने गाड़े सफलता के झंडे



जामगांव आर। छोटा सा गांव गातापार और स्कूल में बच्चे भी महज एक दर्जन, लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता इतनी बेहतरीन कि सभी बच्चे धाराप्रवाह हिंदी पढ़ने में सक्षम हैं। शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव की टीम ने इस स्कूल की प्रतिभा को पहचाना और प्रधान पाठक भुनेश्वरी नेताम को संभाग स्तरीय सम्मान समारोह में सम्मानित किया। सरपंच रेवाराम साहू ने बताया कि अंग्रेजी माध्यम के प्रति रुझान के कारण बच्चे स्वामी आत्मानंद स्कूलों (सेजस) की ओर चले गए, जिससे इस गुणवत्तापूर्ण स्कूल में छात्र संख्या कम होती गई। वर्तमान में पहली में 2, दूसरी में 2, तीसरी में 0, चौथी में 3 और पांचवीं में 5 को मिलाकर कुल 12 बच्चे अध्ययनरत हैं। लेकिन यहाँ पढ़ रहे बच्चे अत्यंत होनहार और प्रतिभाशाली हैं, और प्रधान पाठक का सम्मान इन्हीं बच्चों की प्रतिभा का प्रमाण है। बेल्हारी संकुल के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला गातापार की प्रधान पाठक भुनेश्वरी नेताम को शिक्षा विभाग द्वारा संभाग स्तरीय सम्मान समारोह (खालसा पब्लिक स्कूल, दुर्ग) में सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। यह सम्मान जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग जगजीत सिंह धीर तथा संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग दुर्ग डॉ. के. वी. राव द्वारा प्रदान किया गया। यह पुरस्कार विद्यालय में कक्षा दूसरी से पांचवीं तक के शत-प्रतिशत बच्चों द्वारा धाराप्रवाह हिंदी पढ़ने की उपलब्धि के लिए दिया गया। भुनेश्वरी नेताम के नेतृत्व और शिक्षकों के सतत प्रयासों से मिली यह उपलब्धि बुनियादी साक्षरता को मजबूत करने की दिशा में अन्य विद्यालयों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस उपलब्धि पर संकुल प्राचार्य रीना चौधरी, संकुल समन्वयक कमलेश साहू, सरपंच रेवाराम साहू, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष केशव राम ठाकुर, उपाध्यक्ष तालसिंह साहू, समाजसेवी देवेंद्र साहू तथा सहायक शिक्षक झामन लाल सोनवानी सहित अन्य गणमान्य लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

देवांगन भवन में मनाया गरबा महोत्सव



पाटन। माँ आदिशक्ति गरबा ग्रुप के तत्वावधान में पाटन के देवांगन भवन में एकदिवसीय गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस भव्य कार्यक्रम की शुरुआत माँ दुर्गा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ की गई। माँ आदिशक्ति गरबा ग्रुप की ओर से लगातार दूसरे वर्ष आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा ने आयोजन समिति को सफल महोत्सव की शुभकामनाएँ दीं और गरबा नृत्य की सराहना की। अध्यक्षता कर रहे नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश 'निक्की' भाले ने सभी को नवरात्रि पर्व की बधाई दी। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष रानी बंछोर, नगर पंचायत उपाध्यक्ष निशा सोनी, सभापति केवल देवांगन, सभापति नेहा वर्मा, जनपद सदस्य रवि सिन्हा, एल्डरमैन दामोदर चक्रधारी सहित राजेश्वरी वर्मा, सरपंच उनिका वर्मा, केशव बंछोर, विनीता देवांगन, किरण बंछोर, सोनम ठाकुर और प्रीति देवांगन समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण व आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

'इंडक्शन' में जीवन को सार्थक बनाने संदेश



हरिभूमि न्यूज ⏭ उतई

प्रिज्म स्कूल ऑफ एजुकेशन में 12 अक्टूबर को बी.एड. प्रथम सेमेस्टर के नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के स्वागत हेतु एक गरिमामय 'इंडक्शन प्रोग्राम' (दीक्षारंभ समारोह) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। समारोह में संस्था की डायरेक्टर ख्याति साहू, डायरेक्टर असीम साहू, प्राचार्य डॉ. अंजना, अन्य विभागों की प्राचार्य डॉ. सीमा कश्यप, ललित साहू एवं डॉ. दुर्गा त्रिपाठी विशेष रूप से उपस्थित रहे। डायरेक्टर ख्याति साहू ने भावी शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षण केवल एक पेशा नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का जरिया है, और उन्होंने अनुशासन, नैतिक मूल्यों तथा एक आदर्श शिक्षक के कर्तव्यों पर प्रकाश डाला। वहीं डायरेक्टर असीम साहू ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य केवल परीक्षा में सफल होना नहीं, बल्कि जीवन को सार्थक, आनंदमयी और खुशहाल बनाना भी है। इसके पश्चात प्राचार्य डॉ. अंजना ने नए विद्यार्थियों को कॉलेज की शैक्षणिक गतिविधियों, नियमों, बी.एड. पाठ्यक्रम और व्यावहारिक शिक्षण-प्रशिक्षण की संपूर्ण प्रक्रिया से विस्तार से अवगत कराया।

सीनियर और जूनियर विद्यार्थियों के बीच अनुभवों का आदान-प्रदान

इंडक्शन प्रोग्राम के दौरान बी.एड. प्रथम सेमेस्टर के नए छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक अपना परिचय दिया और अपने शैक्षणिक बैकग्राउंड, अभिरुचियों तथा करियर लक्ष्यों को साझा किया। वहीं, बी.एड. तृतीय सेमेस्टर के वरिष्ठ छात्रों ने महाविद्यालय में बिताए अपने अनुभव और मार्गदर्शन नए साथियों के साथ साझा किए। कार्यक्रम का कुशल संचालन बी.एड. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा अनामिका जेना ने किया, जबकि अंत में प्राध्यापिका लीना वैष्णव ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। इस गरिमामयी अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक रेखा नामदेव, मीनाक्षी देवी, सुषमा साहू, भाग्यश्री सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

दिल्लीवार कूर्मि क्षत्रिय समाज को मिला डोमशेड विधायक ने फीता काटकर समाज को किया समर्पित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई



क्वांर नवरात्रि के अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने ग्राम चंगोरी में मां सरस्वती, छत्रपति शिवाजी महाराज एवं आदि शक्ति मां जगदम्बा का स्मरण कर विधि-विधान पूर्वक पूजा-अर्चना कर 150.24 लाख की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया।

- चंगोरी में आधारभूत सुविधाओं को मिलेगी मजबूती

विकास कार्यों के अंतर्गत सीसी रोड, नाली निर्माण, ओपन जिम यूनिट, कबड्डी मैट, डोम शेड एवं चेकर टाइल्स जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। साथ ही नवनिर्मित पुस्तकालय एवं दिल्लीवार कूर्मि क्षत्रिय समाज के डोम शेड का फीता काटकर लोकार्पण कर जनता को समर्पित किया। चंद्राकर ने कहा ग्राम चंगोरी में आधारभूत सुविधाओं को मजबूती मिलने से गांव विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। ओपन जिम एवं कबड्डी मैट से युवाओं को खेल और स्वास्थ्य के प्रति प्रोत्साहन मिलेगा, वहीं नवनिर्मित पुस्तकालय विद्यार्थियों के अध्ययन एवं ज्ञानवर्धन में मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, सरपंच हीरामन देशमुख, बूथ अध्यक्ष बुद्धिवल्लभ देशमुख, यशवंत, सुखदेव देवांगन, पंच तुलसीराम देशमुख एवं पुकेश्वर सेन, कार्यकर्ता ईश्वरी देशमुख, मुन्ना देशमुख, पुनाराम देशमुख, शीतल देशमुख, लखन देशमुख, सुंदरलाल देशमुख आदि उपस्थित थे।

वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग/पाटन

कांग्रेस ने वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान के तहत पाटन और मचांदुर में प्रदर्शन किया। पाटन में पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल बाइक रैली में शामिल हुए। मचांदुर से रिसामा तक पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू एवं जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर की उपस्थिति में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बाइक रैली निकालकर विरोध दर्ज कराया। दोनों स्थानों पर कांग्रेसजनों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा तथा पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया। कांग्रेस ने मतदाता सूची की पारदर्शिता, चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और आम नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए एफआईआर दर्ज करने, गिरफ्तारी, तत्काल इस्तीफे और पद से बर्खास्तगी की मांग की।

पाटन स्थित राजीव भवन में कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जहां कांग्रेस के कार्यकर्ता एकत्रित हुए। इसके बाद कांग्रेसजनों ने वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान के तहत



- पाटन में रैली के दौरान भूपेश बघेल ने दौड़ाई बुलेट

विशाल बाइक रैली निकाली, जो एसडीएम कार्यालय पहुंची। भूपेश बघेल बुलेट चलाकर रैली में शामिल हुए। भूपेश बघेल ने कहा कि वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान केवल कांग्रेस का राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के लोकतंत्र, संविधान और आम नागरिक के मताधिकार की रक्षा का संकल्प है। लोकतंत्र की मजबूती निष्पक्ष चुनाव और स्वतंत्र संवैधानिक संस्थाओं पर निर्भर करती है। यदि मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर सवाल उठते हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच और जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। इधर मचांदुर से शुरू हुई रैली में पूर्व गृहमंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का मत सर्वोपरि होता है और निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था लोकतांत्रिक प्रणाली की बुनियाद है। मतदाता सूची तथा चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर उठने वाले सवालों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। राकेश ठाकुर ने कहा कि पाटन से लेकर मचांदुर तक कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भागीदारी यह दर्शाती है कि लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के मुद्दे पर पार्टी पूरी मजबूती के साथ खड़ी है। इस दौरान आशीष वर्मा, हेमंत देवांगन,महेंद्र वर्मा, देवेंद्र चंद्रवंशी, सोहन बघेल, अश्वनी साहू, अशोक साहू, राजेश ठाकुर, मोहन साहू, जवाहर वर्मा, जयश्री वर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

दुर्ग जिले की जूनियर कबड्डी बालक टीम मुंगेली रवाना



अंडा। मुंगेली में 16 से 18 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाली जूनियर बालक राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए दुर्ग जिले की टीम रवाना हो गई है। प्रतियोगिता में जिले के चयनित खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे। टीम की रवानगी के अवसर पर दुर्ग जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष केशव बंटी हरमुख एवं कार्यकारी अध्यक्ष टिकेश्वरी देशमुख उपस्थित रहे। इस अवसर पर दुर्ग जिला कबड्डी संघ के सचिव पीलू पारकर, कोच नेमन लाल, होल्कर पारकर, सुरेंद्र देशमुख, प्रदीप सहित जिले के चयनित खिलाड़ी उपस्थित रहे।

निधन

महेश चंद्र मिश्रा



दुर्ग। पचरी पारा निवासी महेशचन्द्र पिता स्व. जगदीश चंद्र मिश्रा उम्र 59 वर्ष निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 18 अक्टूबर रविवार की सुबह 11 बजे विमला भवन पचरीपारा से हरना बांधा मुक्तिधाम के लिए रवाना होगी।

छब्बलू राम चंद्राकर



अंडा। चंदखुरी निवासी छब्बलू राम चंद्राकर 80 वर्ष का निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार चंदखुरी मुक्तिधाम में किया गया। वे नरेंद्र एवं संतोष चंद्राकर के पिता व प्रांजल चंद्राकर के दादा थे।

पीएम श्री सेजेस कुम्हारी में विधिक जागरू0कता

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुम्हारी

पीएम श्री सेजेस विद्यालय, कुम्हारी में विधिक जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत साइबर अपराध एवं पॉक्सो एक्ट के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रति सजग करना तथा बच्चों के संरक्षण से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुरुषोत्तम सिंह मरकाम तथा यशवंत कुमार सारथी की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही शाला विकास समिति के अध्यक्ष आलोक दुबे एवं विद्यालय की प्राचार्य डॉ. विजया श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को साइबर अपराध के विभिन्न प्रकारों, ऑनलाइन धोखाधड़ी, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा इंटरनेट पर सतर्कता बरतने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही पॉक्सो एक्ट के माध्यम से बच्चों को लैंगिक अपराधों से संरक्षण प्रदान



- न्यायाधीश पुरुषोत्तम सिंह और यशवंत कुमार ने दिए कानूनी सुरक्षा एवं डिजिटल सतर्कता के टिप्स

करने वाले कानूनी प्रावधानों के बारे में बताया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने विद्यार्थियों को कानून के प्रति जागरूक रहने, डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में कानूनी समझ विकसित करना, उन्हें अपने अधिकारों एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना तथा एक सुरक्षित एवं जिम्मेदार समाज के निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना था। विद्यालय परिवार ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।





सप्तमी पर माँ कालरात्रि की आराधना से दूर होंगे सारे भय और बाधाएँ

शारदीय नवरात्र के सातवें दिन सम्पूर्ण भारतवर्ष में माँ दुर्गा के सातवें स्वरूप "माँ कालरात्रि" की आराधना श्रद्धा और भक्ति भाव से की जा रही है। प्रातःकाल से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने माँ कालरात्रि की विशेष पूजा-अर्चना कर अपने जीवन से संकटों के नाश की कामना की।

नवरात्रि के सातवें दिन की देवी





- रात्रिकालीन पूजा करें
- काले रंग की वस्तुएं चढ़ाएं
- "ॐ कालरात्र्यै नमः" मंत्र का जाप करें
- गुड़ का भोग लगाएं
- कन्या पूजन की शुरुआत आज से करें
- चुपचाप दान करें
- घर में नींबू या फिटकरी रखें
- सप्तमी व्रत रखें
- रोग निवारण के लिए काली हल्दी रखें
- माँ के समक्ष दीपक की लौ न बुझने दें
- अपनी बुरी आदतों का त्याग करने का संकल्प लें





भय और अंधकार की विनाशिनी: माँ कालरात्रि

नवरात्रि के सप्तमी तिथि को देवी दुर्गा का सबसे उग्र रूप – माँ कालरात्रि की पूजा की जाती है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, देवी का यह स्वरूप अज्ञान, पाप और सभी प्रकार के भय का अंत करने वाला है। उनका नाम भले ही 'कालरात्रि' हो, लेकिन भक्तों के लिए वे कल्याणकारी और सुखदायक हैं।

धार्मिक मान्यताओं में कहा गया है कि माँ कालरात्रि की साधना करने से जीवन की तमाम बाधाएं समाप्त हो जाती हैं। विशेष रूप से शनि, राहु, केतु आदि ग्रहों की प्रतिकूलता से पीड़ित व्यक्तियों के लिए यह दिन अत्यंत फलदायी होता है।

ऐसा है माँ कालरात्रि का रूप

पुराणों के वर्णन के अनुसार, माँ कालरात्रि का स्वरूप अत्यंत भयावह किन्तु दिव्य होता है। उनका रंग काजल के समान काला है। बाल बिखरे हुए, गले में बिजली की तरह चमकती माला, हाथों में खड्ग और वज्र धारण किए हुए, और वे गर्दभ (गधे) पर सवार होती हैं।

श्रद्धालुओं का मानना है कि यह रूप बुराई और अज्ञान पर देवी की कठोरता का प्रतीक है, जबकि उनके अभय और वरमुद्रा वाले हाथ भक्तों को सुरक्षा और आशीर्वाद का आश्वासन देते हैं।

रात्रि पूजन में उमड़े हजारों श्रद्धालु

शहर के सभी मंदिरों दुर्गाकुंड, संकटमोचन मंदिर, और स्थानीय दुर्गा पंडालों में सप्तमी की रात विशेष पूजन और दुर्गा सप्तशती का पाठ आयोजित किया गया। माँ कालरात्रि को गुड़, तिल और नारियल का भोग अर्पित किया गया।

तंत्र दोष और भय से मुक्ति देती हैं माँ कालरात्रि

माँ कालरात्रि की उपासना करने से जीवन में अचानक आने वाली बाधाएँ, भूत-प्रेत बाधा, तंत्र-मंत्र के कुप्रभाव और भय समाप्त हो जाते हैं। यह दिन साधना और आत्मबल को जाग्रत करने का श्रेष्ठ अवसर है।"

पंडितों की मानें तो माँ कालरात्रि की पूजा रात्रि में की जाए तो विशेष फलदायक होती है। घर पर साधारण रूप से इन विधियों का पालन किया गया- सुबह स्नान कर काले या नीले वस्त्र धारण किए गए। तिल, गुड़, नींबू और काले फूलों से पूजन किया गया। "ॐ कालरात्र्यै नमः" मंत्र का जाप 108 बार किया गया।





हरिभूमि
रायपुर, शनिवार 17 अक्टूबर 2026
लाइव
Email id- haribhoomibhilai@gmail.com
0788- 4091720, Message at 7747020002, 9755819129



बच्चों ने दी गायन की प्रस्तुति...

ट्विनसिटी में विराजित माता के अलग-अलग रुपों के दर्शन



श्री दुर्गा काली उत्सव समिति खपरी



ॐ साईं धाम दुर्गात्सव समिति संतोषी पारा कैप 2 भिलाई



नव युवक दुर्गोत्सव समिति शारदा पारा कैंप 2,दुर्ग मंदिर चौक भिलाई



सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति शीतला मंदिर नंदिनी रोड पावर हाउस



श्री श्री सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति दक्षिण वसुंधरा नगर भिलाई 03 में विराजित माता महिषासुर मर्दिनी

● -बीएसपी की स्थापना की तरह पुराना है स्वयंभू देवी की मूर्ति का इतिहास

औद्योगिक तीर्थ में धार्मिक तीर्थ के रूप में प्रसिद्ध है मां बम्लेश्वरी मंदिर से. 6 डाकतार कालोनी उजड़ने के बाद भी नवरात्रि पर्व में उमड़ रहे श्रद्धालु

श्रमवीरों के फौलादी योगदान से देश दुनिया में भिलाई की पहचान औद्योगिक तीर्थ के रुप में है लेकिन लघु भारत को सामाजिक समरसता के साथ आध्यात्मिक वातावरण के लिए भी जाना जाता है। अंचल में शक्ति की भक्ति का प्रतीक मां बम्लेश्वरी मंदिर सेक्टर 6 अंचल में एक बड़े धार्मिक तीर्थ के रुप में प्रसिद्ध है। देवी भक्तों की अपार आस्था और मनोरथों के कारण यह पूजा स्थल स्वयंभू डोंगरगढ़वासिनी के रुप में शारदीय नवरात्रि पर श्रद्धालुओं की श्रद्धा के केंद्र बना हुआ है। डोंगरगढ़ स्थित सुप्रसिद्ध बम्लेश्वरी मंदिर की तरह भिलाई के बम्लेश्वरी मंदिर की भी आस्थ और धार्मिक मान्यता है। यहां हर साल भिलाई दुर्ग ही नहीं बल्कि देश और विदेशों में बसे यहां के श्रद्धालुओं के ज्योति कलश प्रज्जवलित होते हैं।



भिलाई। छह दशक पूर्व एशिया के सबसे बड़े एकीकृत सार्वजनिक उपक्रम भिलाई इस्पात संयंत्र के स्थापना की तरह प्रसिद्ध मां बम्लेश्वरी मंदिर का इतिहास भी वर्षों पुराना है। इस मंदिर का इतिहास डोंगरगढ़वासिनी मां बम्लेश्वरी मंदिर से जुड़े होने के कारण श्रद्धालुओं में वहां के मंदिर के एक प्रतीकात्मक अंश के रुप एक लघु शक्तिपीठ की तरह आस्था है।

मंदिर के पुजारियों और क्षेत्रवासियों के अनुसार पीएंडटी कालोनी (डाकतार) सेक्टर 6 में स्थित मां बम्लेश्वरी मंदिर में प्रतिष्ठापित देवी जगदंबा की पाषाण मूर्ति स्वयंभू है। इस मंदिर की स्थापना डाकतार कोलनी निवासी अनन्य देवीभक्त स्व. यादवराव जौजालकर ने 60 के दशक में की थी। मंदिर परिसर में उनकी मूर्ति भी स्थापित है। स्वं. जौंजालकर के पुत्र व बम्लेश्वरी मंदिर के पुजारी दीपक जौंजालकर बताते हैं कि पिताजी डोंगरगढ़ की बम्लेश्वरी मां के भक्त थे, रोज पूजा पाठ करने मंदिर जाते थे। जब उनका तबादला भिलाई हो गया तो वे नियमित दर्शन नहीं कर पाने के कारण बेचैन रहते थे। तब देवी मां ने उनके स्वप्न में आकर डाकतार कालोनी सेक्टर 6 में पेड के नीचे पाषाण मूर्ति दबे होने की बात कह वहीं स्थापित करने कहा। इसके बाद कई तरह की बाधाओं व अवरोधों के बाद भक्तों के सहयोग से खुदाई की गई तो सचमुच में देवी की मूर्ति निकली जिसे वहीं स्थापित कर छोटे मंदिर का निर्माण कराया गया। पिछले 50 साल के दौरान तीनमंजिला यह विशाल मंदिर आज डोंगरगढ़वासिनी मां बम्लेश्वरी मंदिर के रुप में अंचल में प्रसिद्ध है। दोनों नवरात्र में मंदिर में श्रद्धालू मनोकामना के लिए ज्योतिकलश घट स्थापित करते हैं। इस साल 21 भी ज्योतिकलश प्रज्जवलित किए गए हैं।

मंदिर का निर्माण रोकने आईं कई बाधाएं



सेक्टर 6 बम्लेश्वरी मंदिर के निर्माण से जुड़ी कई कहानियां श्रद्धालुओं को जुबानी याद हैं। बताते हैं कि इस मंदिर के निर्माण के दौरान सरकारी कर्मचारियों ने निर्माण रोकने कई प्रयास किए लेकिन आखिरकार मंदिर का निर्माण नही रुका। मंदिर के पुजारी प्रतीक जौंजालकर बताते हैं कि यहां मंदिर में रोज पूजाअर्चना व भोग आदि के साथ शारदीय व तैत्र नवरात्रि पर्व पर नौ दिन धार्मिक कार्यक्रमों के अलावा मनोकामना ज्योतिकलश घट भी स्थापित किए जाते हैं । जोत जलाने वालों में भिलाई दुर्ग व छग और देश के विभिन्न शहरों के अलावा यहां के विदेश में बसे मां के भक्त भी हर साल यहां जोत जलवाते हैं। पहले मंदिर में प्रथम तल में देवी मां की मंदिर था । पांच साल पूर्व द्वितीय तल में देवी लक्ष्मी, सरस्वती और देव गणेश की मोहक प्रतिमा स्थापित है। तृतीय तल के मंदिर में मां काली अपने विराट रुप में स्थापित है। बम्लेश्वरी मंदिर के प्रति अगाध आस्था से जुड़ा एक उल्लेखनीय तथ्य यह है कि डाकताल कालोनी के सभी क्वार्टर कर्मियों के रिटायर होने बाद खाली व जर्जर हैं यानी कालोनी उजड़ चुकी है। लेकिन मंदिर में श्रद्धालू उमड़ रहे हैं। सामान्य दिनों में भी सैकड़ों श्रद्धालू यहां दर्शन, पूजा पाठ व मनोरथ के लिए आते हैं। पुजारी दीपक जौंजालकर बताते हैं जो समयाभाव व स्वास्थ्य आदि कारणों से डोंगरगढ़ नहीं जा पाते, वे श्रद्धालू यहां आकर दर्शन करते हैं।

बिना पलकें झपकाए मूर्ति रूप में प्रकट होती चैतन्य देवियां बनी आकर्षण का केंद्र

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय सेक्टर 7 राजयोग भवन द्वारा शरदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर ध्वनि एवं प्रकाश के अति सुंदर समायोजन द्वारा चैतन्य देवियों की झांकी का शुभारंभ शिव शक्ति स्वरूपा ब्रह्माकुमारी दीदियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर विधिवत उद्घाटन किया गया।

विशाल पर्वत श्रृंखला में बने गुफाओं और पहाड़ों के मध्य से एक के बाद एक जड़ मूर्ति रूप में चैतन्य देवियों का प्रकट होकर भक्तों को दर्शन देना अलौकिक दिव्य अनुभूति कराता है। आंतरिक शक्तियों का दर्शन एवं स्वयं में सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करती यह चैतन्य देवियों की झांकी अंदर की अशांति मिटाकर ज्ञान का प्रकाश एवं अष्ट भुजाधारी मां दुर्गा की अष्ट शक्तियां हम सबमें विद्यमान है उन्हें भारत के प्राचीन राजयोग ध्यान द्वारा जागृत कर व्यवहार में लाना है। चैतन्य देवियों के रूप में विराजित ब्रह्माकुमारी बहनें प्रतिदिन राजयोग के अभ्यास के कारण तन और मन की स्थिरता द्वारा बिना पलक झपकाए जड़ मूर्ति रूप में प्रतीत होती, जिसे देख दर्शनार्थियों को यकीन नहीं होता कि ये चैतन्य देवियां है।

झांकी में बताया गया कि बचपन की शुद्धता और नदी उद्गम स्थल कितना शुद्ध और पवित्र रहता है,हमें भी जीवन में शिव की शक्तियों को स्वयं में धारण करने के लिए बुराईयों, अशुद्धियों, नकारात्मकता, व्यसन, ईर्ष्या द्वेष को छोड़ना होगा। यही इस चैतन्य





देवियों की झांकी का मूल संदेश है। इस अवसर पर 10 दिवसीय अपनी शक्तियों से करें मुलाकात राजयोग शिविर दिनांक 22 अक्टूबर से सुबह 7 से 8, शाम 5.30 से 6.30 और शाम 7.30 से 8.30 तक रहेगा।

भक्ति के पंडालों में न्याय और जागरूकता का संदेश

भिलाई। मां दुर्गा की आराधना, भक्ति के गीत और आस्था से सजे दुर्गा पूजा पंडालों में इस नवरात्र कानून और जागरूकता की अलख भी जगाई गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डीएलएसए, दुर्ग ने पूजा पंडालों को जनजागरूकता का मंच बनाया। यहां पहुंचे नागरिकों को साइबर ठगी से बचने के उपायों के साथ बच्चों की शिक्षा के अधिकारों की जानकारी दी गई।



सतर्कता ही साइबर ठगी से बचाव

शिविरों में लोगों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी साझा करने और संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से होने वाले नुकसान के प्रति सचेत किया गया। नागरिकों को बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी अनजान व्यक्तियों से साझा नहीं करने की सलाह दी गई। साथ ही साइबर ठगी होने पर हेल्पलाइन नंबर 1930 के माध्यम से शिकायत करने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की शिक्षा योजना, 2026 के संबंध में जानकारी देते हुए बच्चों के शिक्षा अधिकारों, उनके हितों की सुरक्षा और पात्र जरूरतमंदों को विधिक सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

आईईईई जूनियर आइंस्टीन ट्रैक के वैश्विक दौर में श्रीशंकरा विद्यालय के छात्रों ने बढ़ाया मान



भिलाई। शंकरा विद्यालय सेक्टर-10 भिलाई के लिए विद्यालय के तीन होनहार छात्रों ने आईईईई द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित जूनियर आइंस्टीन ट्रैक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय का नाम रोशन किया है। कक्षा 10-ए के छात्र अर्णव यादव, प्रभनूर सिंह और शौर्यवंश साहू ने अपनी मेंटर जे. अन्नपूर्णा मैम के कुशल मार्गदर्शन में अपने नवाचारी प्रोजेक्ट स्मार्ट वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम को 2 अक्टूबर को बीएसआई कन्वेंशन सेंटर, इंडोनेशिया में आयोजित ग्लोबल राउंड में प्रस्तुत किया। उनकी सफलता की यात्रा अत्यंत प्रेरणादायी रही। प्रतियोगिता का पहला राउंड बीआईटी दुर्ग में आयोजित हुआ था, जिसके बाद दूसरा राउंड राष्ट्रीय स्तर पर हुआ। दोनों राउंड में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हमारे छात्रों ने इंडोनेशिया में आयोजित ग्लोबल राउंड के लिए क्वालीफाई किया, जहाँ दुनिया भर से लगभग 90 टीमों ने भाग लिया था। छात्रों द्वारा प्रस्तुत स्मार्ट वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम के वर्किंग प्रोटोटाइप को जूरी और प्रतिभागियों द्वारा इसकी नवीनता, व्यावहारिकता और सतत विकास के प्रति प्रासंगिकता के लिए सराहा गया। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में प्राचार्य बिपिन देशमुख, उप-प्राचार्य विजयन बी एवं सभी शिक्षकों ने बच्चों को बधाई दी। शाला प्रबंधन समिति के सचिव एस.स्वामीनाथन ने भी बधाई दी।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय ने किए माता के दर्शन, सुबह से देर रात तक उमड़े श्रद्धालु

मां कांची कामाक्षी मंदिर में सामूहिक कुमकुम पूजा में 200 महिलाओं ने की अर्चना

कार्नर न्यूज

भिलाई। सेक्टर-5 स्थित श्री श्री श्री जय मां कांची कामाक्षी देवी मंदिर में शारदीय नवरात्रि की पंचमी तिथि पर श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहा। मंदिर में 150 से 200 महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सामूहिक कुमकुम अर्चन कर मां कामाक्षी की आराधना की। इस अवसर पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय भी मंदिर पहुंचे और माता के दर्शन कर प्रदेश तथा समाज की सुख-शांति, समृद्धि और सद्भाव की कामना की। नवरात्रि के अवसर पर सुबह से देर रात तक मंदिर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही।

छत्तीसगढ़ अग्निकुल क्षत्रिय समाजम् के तत्वावधान में आयोजित नवरात्रि महोत्सव के अंतर्गत मंदिर की महिला समिति ने सामूहिक कुमकुम पूजा का आयोजन किया। इसमें महिलाओं ने पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार और समाज की खुशहाली की कामना की। पंचमी तिथि पर आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। भक्तों ने कतारबद्ध होकर मां कांची कामाक्षी देवी के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की।

मंदिर पहुंचे प्रेम प्रकाश पाण्डेय का समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों ने पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंटकर स्वागत किया। उन्होंने माता के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद लिया।





आयोजन में छत्तीसगढ़ अग्निकुल क्षत्रिय समाजम् के अध्यक्ष डिल्लेश्वर राव तामाड़, महासचिव बी. पापा राव, कोषाध्यक्ष टी. मानेश्वर राव सहित खुर्सीपार, चरोदा और सेक्टर क्षेत्र के पदाधिकारियों, महिला समिति के सदस्यों तथा श्रद्धालुओं का योगदान रहा।

परमेश्वरी मंदिर में 108 दीपों से महाआरती जसगीत और गरबा की धूम

भिलाई। प्रगति नगर रिसाली स्थित परमेश्वरी मंदिर में नवरात्रि की पंचमी पर भक्तिमय माहौल रहा। मंदिर में 108 दीपों से सजावट की गई और सैकड़ों महिला-पुरुषों ने अपने घरों से सुसज्जित आरती की थालियां लाकर मां दुर्गा की सामूहिक महाआरती की। इसके बाद जसगीत और रास गरबा की प्रस्तुतियों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। देवांगन जन कल्याण समिति भिलाई नगर के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में आसपास के क्षेत्रों से भी श्रद्धालु शामिल हुए। महाआरती के बाद परमेश्वरी सेवा एवं भजन मंडली ने जसगीत प्रस्तुत किए। इसके बाद समाज के लोगों ने पारंपरिक रास गरबा किया। भक्ति गीतों और गरबा की ताल पर श्रद्धालु उत्साह के साथ शामिल हुए। आरती के बाद प्रसाद की व्यवस्था सेक्टर-6 देवांगन महिला ग्रुप और सोहन लाल देवांगन की ओर से की गई। आयोजन में समाज के लोगों की सक्रिय सहभागिता रही।



सिटी इवेंट

स्वच्छता जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटक का किया आयोजन



भिलाई। सेवा संकल्प अभियान 2026 उदय महाविद्यालय जामुल भिलाई में प्राचार्या डॉ. अलिपा साहू की अध्यक्षता में सेवा संकल्प अभियान के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नमो सेवा गाथा के अन्तर्गत स्वच्छता के प्रति लोगों में जागरुकता को बढ़ावा देने के लिए जामुल में उपस्थित दीनदयाल कॉलोनी में विद्यार्थियों द्वारा साफ-सफाई कार्य डस्टबिन का उपयोग एंव स्वच्छता जागरुकता के लिए नुक्कड नाटक का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पार्षद जामुल कविता बिस्वाल थीं। कार्यक्रम की नोडल अधिकारी भूमिका साहू रही। नमो सेवा अनकही कहानियां द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य विषय नरेन्द्र दामोदर दास मोदी के जीवन से जुड़ी अनकही कहानियों को जनसाधारण तक पहुचना रहा। कार्यक्रम की नोडल अधिकारी शिभा सिंह रही। सेवा चित्र मेरे सपनों का भारत का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से अपने सपनों के भारत की कल्पना की गई। कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ. सवित्री जंघेल रही। सेवा मेरा योगदान के अन्तर्गत नशा मुक्ति रैली तथा कुपोषण जागरुकता के लिए पोस्टर मैकींग प्रतियोगिता के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण आदि का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नोडल अधिकारी डॉ. हेमन्त जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था संचालक डॉ. टीआर साहू, प्राचार्या डॉ. अलिपा साहू एंव विभागाध्यक्ष डॉ. कलावती राव के द्वारा किया गया।

सिटी लाइव

अग्रवाल समाज ने कराया कन्या स्कूल में न्योता भोज



दुर्ग। महाराजा अग्रसेन के सेवा परमो धर्म के सिद्धांत का निर्वहन करते हुए नवरात्रि के पावन पर्व पर अग्रवाल समाज एवं अखिल भारतीय महिला सम्मेलन ने आदर्श कन्या स्कूल में न्योता भोज कराया। समाज के अध्यक्ष ललित सेक्सरिया ने बताया कि न्योता भोज महाराजा अग्रसेन वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय अग्रवाल ने अपने माता-पिता स्व. रतन कुमारी अग्रवाल एवं स्व. रामस्वरूप अग्रवाल की पुण्य स्मृति में भोज का आयोजन किया। व्यवस्था प्रभारी अग्रवाल समाज के कोषाध्यक्ष संजय गर्ग ने बताया की लगभग ढाई सौ कन्याओं को भोज के साथ-साथ आई कार्ड, टाई एवं बेल्ट का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रचार्य सीमा दवे एवं हरि शर्मा सहित सभी स्टाफ ने भरपूर सहयोग किया। मनोज अग्रवाल ने बताया कि इस प्रकार का आयोजन एक स्वस्थ एवं सुंदर परंपरा है जो आने वाली पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़कर रखती है। धार्मिक कार्यों में विशेष रुचि रखने वाले परोपकारी व्यक्तित्व विजय अग्रवाल ने सेक्टर 9 हनुमान मंदिर में पिछले कई वर्षों से प्रति मंगलवार को खिचड़ी एवं अन्य प्रकार का प्रसाद वितरण किया जाता है। आयोजन में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रूही अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, कैलाश रुंगटा, प्रेम अग्रवाल, मुरारी अग्रवाल, गिरीश रानी सती, दीपक बंसल, विनीत खेतान, शरद गर्ग, वंदना गुप्ता, तृप्ति अग्रवाल, प्रीति राजगढ़िया सहित अन्य उपस्थित थे।



नुक्कड़ नाटक से दिया स्वच्छता का संदेश



भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के नंदिनी माइन्स द्वारा स्वच्छता ही सेवा-भाव अभियान के अंतर्गत स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके तहत नंदिनी टाउनशिप में भारतीय स्टेट बैंक व अहिवारा बस स्टैंड के पास नुक्कड़ नाटक मंचन कर स्थानीय नागरिकों एवं व्यापारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। माइन्स के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता के महत्व को लोगों को अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने, कचरे का उचित निपटान करने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। स्वच्छता बनाए रखना केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था का दायित्व नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी है। नंदिनी माइन्स की ओर से उप महाप्रबंधक ओमन टेटे व अजय चतुर्वेदी व अलंकार भिवगड़े आदि अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

पहल वेलफेयर फाउंडेशन दुर्ग का गरबा महोत्सव कल

दुर्ग। पहल वेलफेयर फाउंडेशन दुर्ग द्वारा 18 अक्टूबर रविवार को शाम 7.30 बजे से पुलगांव स्थित आनंद रिसॉर्ट में गरबा उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष संस्था द्वारा आयोजित रंगीसारी रास 4.0 का मुख्य आकर्षण पारंपरिक डांडिया के साथ-साथ आयोजित होने वाला विशेष मेस्करेड राउंड होगा। कार्यक्रम में गरबा प्रेमी पारंपरिक परिधानों में गुजराती और लोक धुनों पर थिरकेंगे, जिसके साथ ही मुखौटा थीम का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। प्रतियोगिता में पारंपरिक गरबा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले भाग्यशाली विजेताओं के आकर्षक उपहारों के अतिरिक्त मेस्केरेड राउंड के विजेता को डायमंड रिंग (हीरे की अंगूठी), चांदी के सिक्के और कई अन्य रोमांचक उपहार प्रदान किए जाएंगे। पास के मूल्य के रूप मे एकत्रित धनराशि से अधिक से अधिक निर्धन, डिसेबल्ड बच्चों की शिक्षा दीक्षा और पोषण की व्यवस्था की जाएगी।

● खेलगांव खम्हरिया में आयोजित स्पर्धा में 200 खिलाड़ियों, अधिकारियों और सहयोगियों ने लिया हिस्सा

खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, एथलेटिक मीट में दुर्ग ग्रामीण का रहा दबदबा, जीते सबसे ज्यादा पदक

भिलाई। खेलगांव खम्हरिया में गुरुवार को आयोजित जूनियर जिला एथलेटिक मीट निडजाम 2026 में दुर्ग ग्रामीण के बालक-बालिका खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में दुर्ग, पाटन, धमधा, दुर्ग निगम, रिसाली निगम, नगर पंचायत उतई सहित पुरई, धनोरा, निकुम, पाऊवारा, कोड़ियां, कोकड़ी, बोरसी और बीएसपी एथलेटिक्स क्लब के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में 128 बालक-बालिका खिलाड़ियों सहित 20 अधिकारी और अन्य सहयोगियों को मिलाकर करीब 200 लोग शामिल हुए। विभिन्न आयु वर्गों में खिलाड़ियों ने दौड़, बाधा दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक और भाला फेंक जैसी स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा दिखाई। समापन समारोह में विजेता खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर थे। इस दौरान उतई मंडल अध्यक्ष शीतला ठाकुर, जिला एथलेटिक्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन दुर्ग की आयोजन समिति के अध्यक्ष और बीएसपी एथलेटिक्स क्लब के अध्यक्ष परविंदर सिंह गरेवाल, परिक्षेत्रीय साहू समाज उतई के अध्यक्ष लोकनाथ साहू और खेलगांव खम्हरिया की सरपंच दुलारी देशलहरे उपस्थित रहीं। अतिथियों ने मां भारती के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया।

संभाग के पहले सिंथेटिक ट्रैक से बढ़ेंगी सुविधाएं

समापन समारोह में ललित चंद्राकर ने कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना को मजबूत करने का आधार भी हैं। छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाओं को बेहतर अवसर और सुविधाएं उपलब्ध कराकर उन्हें आगे बढ़ाना सरकार का संकल्प है। उन्होंने कहा कि खेलगांव खम्हरिया में संभागीय बहुउद्देशीय स्टेडियम की सौगात मिली है। यहां अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप 400 मीटर का सिंथेटिक ट्रैक विकसित किया जा रहा है, जो दुर्ग संभाग का पहला ऐसा स्टेडियम होगा। इससे दुर्ग ग्रामीण सहित पूरे संभाग के खिलाड़ियों को लाभ मिलेगा और भविष्य में अन्य खेल सुविधाओं के विकास का रास्ता भी खुलेगा।





इन खिलाड़ियों ने मारी बाजी

16 वर्ष आयु वर्ग की 60 मीटर दौड़ के बालक वर्ग में साहिल देशमुख प्रथम, कुलदीप पाल द्वितीय और जसप्रीत सिंह तृतीय रहे। बालिका वर्ग में ललिता साहू ने प्रथम, खेमिन सागरवंशी ने द्वितीय और योगिता निषाद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 600 मीटर दौड़ के बालक वर्ग में साहिल देशमुख प्रथम, सेक्टर-2 के नवीन कुमार द्वितीय और निकुम के आदित्य कुमार तृतीय रहे। बालिका वर्ग में भूमि साहू प्रथम, छवि सोनवानी द्वितीय और ललिता साहू तृतीय स्थान पर रहीं। लंबी कूद के बालक वर्ग में गुलशन कुमार साहू ने प्रथम, आदित्य साहू ने द्वितीय और नवीन कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में रजनी साव प्रथम, खोमिन सागरवंशी द्वितीय और श्रेया प्रसाद तृतीय रहीं। ऊंची कूद के बालक वर्ग में अहिवारा के प्रेम निर्मलकर और आदित्य साहू प्रथम एवं द्वितीय रहे। बालिका वर्ग में रिद्धि मानकर प्रथम, रजनी साव द्वितीय और श्रेया प्रसाद तृतीय रहीं। गोला फेंक के बालक वर्ग में तन्मय प्रथम, भुवेश कुमार द्वितीय और आदित्य तृतीय रहे। बालिका वर्ग में योगिता ने प्रथम और क्षमता चक्रधारी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। भाला फेंक के बालक वर्ग में भुवेश कुमार प्रथम और तन्मय द्वितीय रहे। बालिका वर्ग के अंतर्गत दीपक प्रजापति प्रथम, प्रियांश द्वितीय और लोकेश तृतीय दर्ज हैं। 80मीटर बाधा दौड़ -प्रथम-दीपक प्रजापति, द्वितीय- प्रियांश, तृतीय-लोकेश,बालिका-प्रथम ऋद्धिमानकर ,द्वितीय- महक ठाकुर, तृतीय -योगिता, ट्रायथलान (ए) बालक वर्ग-प्रथम- लक्ष्मण यादव, द्वितीय -चंदन साहू, तृतीय- राज यादव, बालिका वर्ग -प्रथम जय श्री ,द्वितीय- दृष्टि निषाद, ट्रायथलॉन (बी) बालक वर्ग प्रथम -गुरुचरण द्वितीय -प्रत्यक्ष यादव, तृतीय- आदित्य यादव, बालिका वर्ग प्रथम- कुमारी गरिमा, द्वितीय वासनिक सिन्हा, तृतीय गीतांजलि, ट्रायथलान (सी)बालक वर्ग - प्रथम आर्यन सेन, द्वितीय- दिव्यांग साहू तृतीय- उदेश, बालिका वर्ग प्रथम दामिनी धनकर, द्वितीय -जसप्रीत तृतीय रेशमा साहू, पेंटर थलन प्रथम- कुलदीप पाल, द्वितीय- लोकेंद्र प्रसाद साहू ,प्रीति प्रियांश तेंजुरकर, पेंटाथलान बालिका वर्ग- प्रथम छवी सोनवानी द्वितीय महक ठाकुर रही।

आयोजन में इनका रहा योगदान

प्रतियोगिता के सफल आयोजन में बालकदास डहरे, पीटीआई, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय फरीदनगर भिलाई एवं आयोजन समिति के सचिव विकासखंड क्रीड़ा प्रभारी अशोक कुमार रिगरी, पीटीआई उमेश कुमार निर्मलकर, महेश्वर साहू, राजेश देवांगन और तरुण यादव, बीएसपी एथलेटिक्स अकादमी के कोच अनिरुद्ध जीएन, सुनील नायर, एसटीओ, एएफआई शिव भंडारी, लोकनाथ साहू, परविंदर सिंह, अभिषेक, सुरेश कुमार पुसरिया, बीएसपी के दीपक पटेल, अंतरराष्ट्रीय मास्टर एथलेटिक्स खिलाड़ी बीआर साहू, अंतरराष्ट्रीय मास्टर एथलेटिक्स खिलाड़ी एवं छत्तीसगढ़ शासन के शहीद विनोद चौबे सम्मान से सम्मानित देवधर ठाकुर, अहिवारा टाउनशिप के एथलेटिक्स कोच राजकुमार बघेल, शेष नारायण पटेल और आकाश साहू सहित अन्य सहयोगियों की भूमिका रही।

लीनेस क्लब की आधिकारिक यात्रा

बच्चों ने दी गायन की प्रस्तुति, गरबा में थिरकीं महिलाएं, नृत्य ने बांधा समां





दुर्ग। लीनेस क्लब मौली की संयुक्त आधिकारिक यात्रा समारोह का आयोजन किया गया। आयोजन में दिव्य ज्योति के नेत्रहीन बच्चों ने गायन की प्रस्तुति देकर अपनी तरफ ध्यान खींचा। उन्हें प्रशंसा के साथ सम्मान मिला। इस अवसर पर दीप प्रज्वलन के बाद स्वागत गीत से कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए गरबा का भी आयोजन किया गया। गरबा में महिलाएं जमकर थिरकते नजर आईं। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्लब की प्रेसिडेंट रश्मि अग्रवाल प्रमुख रूप से मौजूद थीं। उनके अलावा सरोज कोटड़िया, विभा भूटानी, सीमा यादव, नियामत हुड्डा, रत्ना ओस्तवाल विशेष रूप से मौजूद थीं। गरबा नृत्य के माध्यम से ही अतिथियों का स्वागत किया गया। सोनिया और ऋतु ने अतिथियों के लिए स्वागत गीत गाकर पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। दिव्य ज्योति के बच्चों की प्रस्तुति को सराहा गया। कोषाध्यक्ष दीप्ति लुक्कड़ ने क्लब के वार्षिय कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के साथ आगामी कार्ययोजना के बारे में भी अवगत कराया। भावना अग्रवाल और मीता ने गरबा नृत्य में प्रस्तुति दी। शिवाली और वंदना द्वारा हाउजी में शॉपिंग करने से महिलाओं का उत्साह बढ़ा। कार्यक्रम में मोनाली ओस्तवाल, मीना कोटड़िया, दीप्ति लुक्कड़, मीना, विमला, मनीषा, माया, मीता, मंजू, प्रियांशी, करुणा, ममता सहित अन्य मौजूद थे।

उड़ान एक मंजिल संस्था का आयोजन

माता के रूप में विराजमान कन्याओं की पूजा अर्चना



भिलाई। पंचमी के अवसर पर माता की गोद भराई तथा माता के रूप में विराजमान कन्याओं की पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात कन्याओं को भोग प्रसाद वितरण किया गया जिसमें चना, पूड़ी हलवा केला सेब, चाकलेट, बिस्कुट आदी खिलाया गया साथ ही हेयर बैंड, बिंदी आदि भी दिया गया।

उड़ान एक मंजिल संस्था के अध्यक्ष और संस्थापिका अंजू साहू ने बताया कि संस्था द्वारा स्कूल के बच्चों के दो क्रिकेट का सैट, 6 बाल, दो बैडमिंटन, शतंरज, लुडो, आदी दिया गया ताकि स्कूल के सभी बच्चे इसे खेल सकें। ये सभी सामग्री स्कूल के प्राचार्य हरखराम साहू, प्रधान पाठक नंदनी साहू, अध्यक्ष धनसाय साहू और महासचिव आर लखेंद्र साहू सोंपा गया।साथ नवरात्रि के उपलक्ष्य में बच्चों, टिचर और संस्था की सभी बहनों ने मिलकर गरबा करने का भी आनंद लिया। संस्था की सभी बहनों ने अपना सहयोग दिया विशेषकर सोमलता हिरवानी, तारिणी साहू, डॉ. उत्तरा रामटेके, कावेरी साहू, मीरा साहू, प्रमिला खलको, आरती यादव, चंदा रानी, शिला, लता टंडन, पुष्पा, किरण रात्रे, आरती यादव, करूणा, देविका, अंजना, मीरा साहू आदि ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्नर न्यूज

जिला स्तरीय पठनवीर प्रतियोगिता में दुर्ग ग्रामीण का उत्कृष्ट प्रदर्शन

विद्यार्थियों ने पठन, गणित और प्रश्नोत्तरी में दिखाया हुनर, समसामयिक भाषण में शिक्षकों ने भी मारी बाजी

भिलाई। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट, अछोटी में आयोजित जिला स्तरीय पठनवीर प्रतियोगिता में दुर्ग ग्रामीण विकासखंड के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने शानदार प्रदर्शन किया। विभिन्न स्पर्धाओं में प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए कई पुरस्कार अपने नाम किए। वहीं, समग्र प्रदर्शन के लिए दुर्ग ग्रामीण विकासखंड को प्रतीक चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। समसामयिक तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में भी विकासखंड के शिक्षकों ने प्रथम और द्वितीय स्थान हासिल किया। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों में पठन कौशल, भाषाई दक्षता, गणितीय समझ, तार्किक चिंतन, अभिव्यक्ति क्षमता और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व प्रदेश सरकार्यवाह बिसरा राम यादव थे। अध्यक्षता डाइट अछोटी के प्राचार्य पीसी मारकले ने की। जिला शिक्षा कार्यालय दुर्ग के सहायक संचालक ज्ञानसिंह राजपूत विशेष विभागीय अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।



विद्यार्थियों ने विभिन्न विधाओं में हासिल किए पुरस्कार

अंग्रेजी वेग पठन प्रतियोगिता में उच्च प्राथमिक शाला फेंकारी, पाटन की कुमकुम ने प्रथम और शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय कोनारी, दुर्ग ग्रामीण की लीना यादव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। गणितीय वेग गणना में शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय मंचाढुर, दुर्ग ग्रामीण के कुणाल निषाद प्रथम और उच्च प्राथमिक शाला अरसी, धमधा के वासु देवांगन द्वितीय स्थान पर रहे। मैथ्स मैजिक प्रतियोगिता में शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय ढौर, दुर्ग ग्रामीण के विवेक कुमार साहू ने प्रथम और इसी विकासखंड के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय खपरी की लाकेश्वरी ने द्वितीय स्थान हासिल किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय रूदा, दुर्ग ग्रामीण के तिलेश और शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय मंचाढुर के कुणाल निषाद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, उच्च प्राथमिक शाला खुड़मुड़ी, पाटन की चंचला और उच्च प्राथमिक शाला फेंकारी, पाटन की शैल देवी साहू द्वितीय स्थान पर रहीं।



शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर

आयोजन में बीआरसी श्रवण कुमार सिन्हा, नीलम दुबे, वंदना सिंह, सत्येंद्र शर्मा, सुषमा हिरवानी, संध्या शर्मा, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी रश्मि ठाकुर, सुमन प्रधान, ऋषिकांत शुक्ला, इन्द्रेश बंजारे, दीपक बुंदेला, अरविन्द बंजारे, रंजना देशमुख, पार्वती श्रीवास्तव, जीवन लाल चंद्राकर, डॉ. अविनाश अवस्थी, मिलिंद चंद्रा और प्रताप धनकर सहित डाइट के प्राध्यापक उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत विकसित करने, भाषा एवं गणितीय कौशल मजबूत बनाने और आत्मविश्वास बढ़ाने पर जोर दिया गया। साथ ही, शिक्षकों को अपने अनुभव साझा करने व शिक्षण पद्धतियों को अधिक रोचक एवं प्रभावी बनाने प्रेरित किया गया।

तात्कालिक भाषण में शिक्षकों का शानदार प्रदर्शन : शिक्षकों और संकुल समन्वयकों के लिए समसामयिक तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसमें प्रतिभागियों ने समसामयिक विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए तार्किक विश्लेषण और अभिव्यक्ति क्षमता का प्रदर्शन किया। स्पर्धा में शा. पूर्व मा. विद्यालय खपरी, दुर्ग ग्रामीण के जीवन लाल चंद्राकर ने प्रथम और शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय मंचाढुर, ग्रामीण के मिलिंद चंद्रा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। शास. पूर्व मा. विद्यालय पोटिया, धमधा के पवन सिंह तृतीय रहे। दुर्ग ग्रामीण के प्रतिभागियों ने विद्यार्थियों की विभिन्न स्पर्धाओं के साथ शिक्षक वर्ग की भाषण प्रतियोगिता में भी उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। ब्लॉक के समग्र प्रदर्शन के लिए बीआरसी श्रवण कुमार सिन्हा को प्रतीक चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सिटी स्पोर्ट्स

यूथ क्रिकेट टूर्नामेंट में इमर्जिंग की 7 विकेट से शानदार जीत



भिलाई। क्रिकेट फाउंडेशन अकादमी करंजा द्वारा आयोजित तृतीय वर्ष के 'यूथ क्रिकेट टूर्नामेंट' के अंतर्गत शुक्रवार का पहला मैच आर.के. अकादमी हुडको एवं इमर्जिंग क्रिकेट अकादमी रायपुर के मध्य खेला गया, जिसे इमर्जिंग क्रिकेट अकादमी रायपुर ने 7 विकेट से अपने नाम किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन पूर्णिमा वर्मा (जनपद सदस्या, ग्राम करंजा, जिला दुर्ग) ने किया। मैच का टॉस इमर्जिंग क्रिकेट अकादमी रायपुर ने जीता और पहले क्षेत्ररक्षण (बॉलिंग) करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आर.के. अकादमी की पूरी टीम निर्धारित ओवरों में 132 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। टीम के लिए शुभ ने 39 रन, आदित्य ने 26 रन और हमजा हुसैन ने 22 रन बनाए। इमर्जिंग क्रिकेट अकादमी की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुए लोकेश ने तीन विकेट, तथा अभ्युदय एवं धनंजय ने दो-दो विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी इमर्जिंग क्रिकेट अकादमी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट के नुकसान पर 137 रन बनाकर मैच 7 विकेट से जीत लिया। बल्लेबाजी में दरश ने नाबाद (नॉट आउट) 43 रन, लोकेश ने 29 रन, टीम के कप्तान अर्श ने 22 रन (रिटायर्ड हर्ट) और अभियंश ने 20 रन का योगदान दिया। आर.के. अकादमी की ओर से गेंदबाजी में आयांश, अंशुल और वेदांश ने एक-एक विकेट हासिल किया। इस मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करने वाले लोकेश को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। मैच के अंपायर हिमाचल साहू एवं एस. बालराजू थे, जबकि स्कोरर की भूमिका विनोद देवघरे ने निभाई।

राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता आज



रायपुर। 26वीं सीनियर राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन सी.वी. रमन विश्वविद्यालय बिलासपुर में 17 अक्टूबर को किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में विजयी रहने वाले तीरंदाज सीनियर राष्ट्रीय स्पर्धा में हिस्सा लेंगे, जो 11 से 18 नवंबर तक शिलांग, मेघालय में आयोजित होने वाली है। छत्तीसगढ़ आर्चरी संघ के सचिव आयुष मुरारका ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में राज्य के 20 जिलों से 300 तीरंदाज, कोच, मैनेजर और ऑफिशियल्स भाग लेंगे। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर बिलासपुर जिले के कलेक्टर संजय अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस दौरान वाइस चांसलर प्रदीप घोष, रजिस्ट्रार अरविंद तिवारी, ईशा अग्रवाल, खेल एवं युवा कल्याण विभाग से श्री एक्का, कैलाश मुरारका, वंदना उइके और आलोक शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहकर विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत करेंगे। इस प्रतियोगिता में विशेष रूप से नेशनल मेडल प्राप्त तीरंदाज भाग लेंगे। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय पैरा तीरंदाज तोमन कुमार भी अपनी हिस्सेदारी निभाएंगे, जो सामान्य वर्ग की प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा लेते हैं।

इंटर कॉलेज क्रॉस कंट्री में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम



रायपुर। इंटर कॉलेज (पुरुष/महिला) क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता का आयोजन 15 अक्टूबर को बेलभाठा, अभनपुर में किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 42 पुरुष एवं 23 महिला खिलाड़ियों ने पूरी ऊर्जा के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में यशराज रात्रे (शासकीय आर.एन.एम. महाविद्यालय, सारंगढ़) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, डोमनलाल (दुर्गा कॉलेज, रायपुर) ने द्वितीय स्थान तथा बुद्धेश्वर पैकरा (शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, रायपुर) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं महिला वर्ग में ईशा रानी सिन्हा (शासकीय हीरालाल काव्योपाध्याय महाविद्यालय, अभनपुर) प्रथम स्थान पर रहीं, जबकि दामनी यादव (पं. शयामाचरण शुक्ला महाविद्यालय, धरसीवा) ने द्वितीय स्थान और हेमलता (हरिशंकर महाविद्यालय, रायपुर) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के उद्घाटन एवं समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अभनपुर के पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राधाकृष्ण टंडन उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में शारीरिक शिक्षा अध्ययन शाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के प्रो. सी.डी. अगासे शामिल हुए, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. वी.के. मिश्रा ने की। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि ने महिला एवं पुरुष वर्ग के सभी प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।

विटामिन की संतुलित मात्रा है जरूरी, सही जानकारी होना है बेहद आवश्यक

विटामिन्स और मिनरल्स का असंतुलन बिगाड़ सकता है सेहत का खेल, पोषक तत्वों की कमी और अधिकता दोनों हैं खतरनाक

शरीर को सुचारू रूप से काम करते रहने के लिए कई प्रकार के पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। विटामिन्स, प्रोटीन और आयरन सहिततमाम पोषक तत्व सभी अंगों को स्वस्थ रखने और उनके कार्यों को बेहतर ढंग से संचालित करने में मदद करते हैं। विटामिन-सी और डी जैसे तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के साथ कई गंभीर बीमारियों के जोखिम को कम करने में मददगार साबित हो सकते हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि शरीर में पोषक तत्वों की कमी होने से जहाँ बीमारियों के विकसित होने का खतरा रहता है, वहीं अगर इनकी मात्रा जरूरत से ज्यादा बढ़ जाए तो इसके गंभीर परिणाम भी भुगतने पड़ सकते हैं। कई पोषक तत्वों की अधिकता की स्थिति में किडनी की गंभीर बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है।

विटामिन-सीः फायदे और नुकसान

विटामिन-सी सबसे चर्चित पोषक तत्वों में से एक है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। शरीर में विटामिन-सी की कमी के कारण चिड़चिड़ापन और एनोरेक्सिया का खतरा हो सकता है। इसके अलावा त्वचा संबंधी समस्याएं जैसे घाव का



ठीक से न भरना, दांतों-मसूड़ों की समस्या और संक्रामक रोगों का खतरा बना रहता है। वहीं, अगर शरीर में विटामिन-सी की मात्रा बहुत अधिक हो जाती है, तो इसके कारण पेट खराब होना, दस्त और गंभीर स्थितियों में किडनी में पथरी होने की शिकायत हो सकती है।

विटामिन-डीः हड्डियां और इम्युनिटी

भोजन और सूर्य के प्रकाश के माध्यम से शरीर को विटामिन-डी प्राप्त होता है। इसे प्रतिरक्षा प्रणाली और हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए बेहद आवश्यक माना जाता है। शरीर में विटामिन-डी की कमी के कारण इम्युनिटी कमजोर होने के साथ-साथ कैल्शियम



का स्तर (हाइपोकैल्सीमिया) भी कम होने लगता है। इसे बच्चों में रिकेट्स (हड्डियों का नरम होना) नामक बीमारी का प्रमुख कारक माना जाता है। दूसरी ओर, विटामिन-डी की अधिकता भी नुकसानदायक है; इससे शरीर में अत्यधिक कैल्शियम का निर्माण हो सकता है, जिससे हड्डियां कमजोर हो सकती हैं तथा किडनी व हृदय को भारी नुकसान पहुंच सकता है।

आयरन की भूमिका और अति

आयरन हमारे रक्त का एक प्रमुख अवयव है, जिसकी कमी से एनीमिया (खून की कमी) का खतरा रहता है। जब शरीर में हीमोग्लोबिन का उत्पादन करने के लिए पर्याप्त आयरन नहीं होता, तो इस रोग का जोखिम पैदा होता है। अध्ययनों में पाया गया है कि एनीमिया कमजोरी और थकान के साथ-साथ गंभीर स्थितियों में हृदय रोग व डिमेंशिया के खतरे को भी बढ़ा सकता है। हालांकि, ध्यान रखें कि बहुत अधिक आयरनयुक्त चीजों का सेवन करना भी नुकसानदेह है।



शरीर में आयरन की अधिकता के कारण लिवर, जोड़ों, अग्न्याशय (पैनक्रियाज) और हृदय को क्षति पहुंच सकती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का सुझाव है कि सभी पोषक तत्वों का सेवन हमेशा संतुलित और सही मात्रा में ही किया जाना चाहिए। बेहतर यही होगा कि आप कृत्रिम सप्लीमेंट्स की जगह प्राकृतिक आहार के माध्यम से ही इन पोषक तत्वों को प्राप्त करें।



पंजा कुश्ती, पुश-अप्स, कैरम और शतरंज में छा गए कॉलेज स्टूडेंट

रायपुर। श्री बालाजी दिशा कॉलेज, रामनगर, कोटा, रायपुर में शुक्रवार को खेल विभाग के तत्वावधान में आर्म रेसलिंग (पंजा कुश्ती), पुश-अप्स, कैरम एवं शतरंज प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में शारीरिक स्वास्थ्य, एकाग्रता, अनुशासन एवं खेल भावना को प्रोत्साहित करना था। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. के. तिवारी ने विद्यार्थियों को खेलकूद एवं पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

- श्री बालाजी दिशा कॉलेज में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन



अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, दृढ़ संकल्प और सामूहिक कार्य करने की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने तथा शैक्षणिक गतिविधियों एवं शारीरिक स्वास्थ्य के बीच संतुलन बनाए रखने की सलाह दी।

प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनके परिणाम इस प्रकार रहेः आर्म रेसलिंग (पंजा कुश्ती) के छात्र वर्ग के विभिन्न भार वर्गों में योगराज ध्रुव, प्रसन्न घोंगड़े, राजकुमार राजभर एवं अनुभव अवधिया ने विजेता स्थान प्राप्त किया, जबकि छात्रा वर्ग में टेमिन साहू, रिया सिकदर एवं अन्वेषा गोस्वामी विजेता रहीं। पुश-अप्स प्रतियोगिता के छात्र वर्ग में लकी साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि छात्रा वर्ग में अंजलि अहिरवार प्रथम स्थान पर रहीं। कैरम प्रतियोगिता के छात्र वर्ग में तन्मय शर्मा एवं मोहम्मद शहनवाज खान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि छात्रा वर्ग में वंशिका मंडावी एवं मौली डागा विजेता रहीं। शतरंज प्रतियोगिता के छात्र वर्ग में विशेष देवांगन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि छात्रा वर्ग में प्रतिष्ठा गाडगिल ने प्रथम स्थान हासिल किया। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का शानदार अवसर मिला। साथ ही, इन गतिविधियों ने शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक सक्रियता और निष्पक्ष खेल भावना को बढ़ावा दिया।

फेंगशुई के आसान उपाय बदल देंगे आपके जीवन की ऊर्जा

प्राचीन चीनी वास्तु शास्त्र 'फेंगशुई' का हमारे जीवन और आसपास के वातावरण पर गहरा प्रभाव पड़ता है। फेंगशुई मुख्य रूप से ऊर्जा (ची) के संतुलन पर आधारित है। यदि घर की ऊर्जा सकारात्मक हो, तो वहां रहने वाले सदस्यों के मन में



हमेशा प्रसन्नता, शांति और उत्साह बना रहता है। आधुनिक दौर में लोग अपने घरों में सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह को बढ़ाने के लिए फेंगशुई के सिद्धांतों का तेजी से उपयोग कर रहे हैं, ताकि घर का माहौल हमेशा खुशहाल और तनावमुक्त रहे।घर में प्रसन्नता और सकारात्मक माहौल बनाए रखने के लिए फेंगशुई में कुछ बेहद सरल और प्रभावी उपाय बताए गए हैं। सबसे पहले, घर को हमेशा साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखना चाहिए। अव्यवस्था या पुराना कबाड़ नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है, इसलिए घर के मुख्य द्वार और कमरों को साफ रखना जरूरी है। इसके अलावा, घर की उत्तर या पूर्व दिशा में ताजे हरे पौधे, जैसे कि 'लकी बांस' (Lucky Bamboo) या मनी प्लांट रखना फेंगशुई के अनुसार बेहद शुभ माना जाता है, जो घर में धन और खुशियों का स्वागत करता है। प्रसन्नता के माहौल के लिए घर में प्राकृतिक रोशनी और ताजी हवा का आना बहुत जरूरी है। फेंगशुई के अनुसार, कमरों में घुटन या अंधेरा नकारात्मकता बढ़ा सकता है। घर के मुख्य द्वार पर या लिविंग रूम में सुंदर विंड चाइम्स लगाने से निकलने वाली मधुर ध्वनि आसपास की नकारात्मक ऊर्जा को दूर भगाती है।



हॉकी और साइकिलिंग में दुर्ग और बिलासपुर का दबदबा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खेलकूद का रोमांच अपने चरम पर है। राजधानी रायपुर के कृष्णा पब्लिक स्कूल, सरोना में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के अंतर्गत रोलर स्केटिंग खेल की रिंक रेस एवं रोड रेस स्पर्धाओं का उत्साहपूर्ण वातावरण में समापन हुआ। प्रतियोगिता में राज्य के पाँच प्रमुख संभागों—रायपुर, बिलासपुर, सरगुजा, बस्तर और दुर्ग—से आए कुल 242 प्रतिभावान खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

हॉकी और साइकिलिंग में भी दिखाया जोर

प्रतियोगिता के दौरान हॉकी के रोमांचक मुकाबलों में बालक वर्ग का खिताब दुर्ग संभाग ने अपने नाम किया, जबकि सरगुजा संभाग दूसरे स्थान पर और बिलासपुर संभाग तीसरे स्थान पर रहा। वहीं, बालिका वर्ग में भी दुर्ग संभाग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया, सरगुजा संभाग दूसरे स्थान पर रहा और बस्तर संभाग ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

इसके साथ ही, साइकिलिंग की मास स्टार्ट स्पर्धा में विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने रफ्तार का जादू बिखेरा। चौदह वर्ष से कम (अंडर-14) आयु वर्ग के बालक वर्ग में दुर्ग के डोमेन्द्र साहू ने पहला, बिलासपुर के सागर चौहान ने दूसरा और बस्तर के गोविंद ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी वर्ग की बालिकाओं में दुर्ग की दृष्टि साहू प्रथम, दुर्ग की ही शीतल देशमुख द्वितीय और बस्तर की सृष्टि नाग तृतीय स्थान पर रहीं। सत्रह वर्ष से कम (अंडर-17) आयु वर्ग के बालकों में दुर्ग के सनी कुमार ने स्वर्ण, अलोक देशमुख ने रजत और बस्तर के दीपराज मरकाम ने कांस्य पदक अपने नाम किया। अंडर-17 बालिकाओं में दुर्ग की रेशमी साहू प्रथम, बिलासपुर की तनुजा विशाल द्वितीय और दुर्ग की शालिता पटेल तृतीय रहीं। उन्नीस वर्ष से कम (अंडर-19) आयु वर्ग के बालक वर्ग में दुर्ग के राहुल निर्मलकर ने बाजी मारते हुए पहला स्थान हासिल किया, जबकि सौरभ कुमार दूसरे और बिलासपुर के प्रियांशु गुप्ता तीसरे स्थान पर रहे। अंडर-19 बालिकाओं में दुर्ग की पुष्पांजलि प्रथम, दुर्ग की ही कुमेश्वरी द्वितीय और बस्तर की रंजीता नाग तृतीय स्थान पर रहीं।

रोड साइकिलिंग और ताइक्वांडो में खिलाड़ियों ने दिखाए जौहर

रोड साइकिलिंग की इंडिविजुअल टाइम ट्रायल स्पर्धा में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिसमें 14 वर्ष बालक वर्ग में दुर्ग के कुणाल देशमुख और बालिका वर्ग में बिलासपुर की तनीषा डोबा ने प्रथम स्थान हासिल किया। सत्रह वर्ष आयु समूह में दुर्ग के तुषार देवांगन ने बालक वर्ग में और बिलासपुर की अंतर सारथी ने बालिका वर्ग में पहला स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार 19 वर्ष आयु समूह के बालक वर्ग में दुर्ग के हेमेंद्र साहू और बालिका वर्ग में दुर्ग की ही निधि साहू ने प्रथम स्थान पर कब्जा जमाया। दूसरी ओर, ताइक्वांडो की विभिन्न भार वर्ग स्पर्धाओं में भी नन्हें और युवा खिलाड़ियों ने अपनी फाइटिंग स्किल्स का शानदार प्रदर्शन किया।

चौदह वर्ष बालिका वर्ग के 18 किलोग्राम भार वर्ग में बस्तर से वसुंधरा, 20 किग्रा में बिलासपुर से काजल यादव, 22 किग्रा में दुर्ग से अंजलि, 24 किग्रा में बिलासपुर से सोना पंडित, 26 किग्रा में दुर्ग से भावना साहू, 29 किग्रा में दुर्ग से कनिष्का यादव, 32 किग्रा में रायपुर से गीतांजलि चक्रधारी, 35 किग्रा में रायपुर से संध्या साहू, 38 किग्रा में रायपुर से दुर्गा शक्ति गुप्ता और 38 किलोग्राम से अधिक वजन वर्ग में रायपुर से विशाखा बनसोडे ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की।

बालक ताइक्वांडो मुकाबलों में भी दिखा कड़ा संघर्ष

ताइक्वांडो के 14 वर्ष आयु समूह के बालक वर्ग में भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जहाँ 18 किलोग्राम वर्ग में रायपुर से किशन राव मानिकपुरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा 21 किलोग्राम वर्ग में बिलासपुर से पीतांबर यादव, 23 किलोग्राम वर्ग में दुर्ग से रुद्र कुमार, 25 किलोग्राम वर्ग में दुर्ग के ही कृष्ण गुप्ता, 27 किलोग्राम वर्ग में रायपुर के रोहन चक्रधारी, 29 किलोग्राम वर्ग में बिलासपुर के वेदांत साहू, 32 किलोग्राम वर्ग में बिलासपुर के शाश्वत बारेठ, 35 किलोग्राम वर्ग में रायपुर के रुबल कुमार साहू, 38 किलोग्राम वर्ग में दुर्ग के मयंक, 41 किलोग्राम वर्ग में रायपुर के योगेंद्र साहू और 41 किलोग्राम से अधिक भार समूह में दुर्ग के टिकेंद्र कुमार ने प्रथम स्थान पर कब्जा जमाया।

कार्नर न्यूज

जयंती स्टेडियम के वेलोड्रोम में राज्य स्तरीय ट्रैक साइकिलिंग प्रतियोगिता का समापन

राज्य के 35 से अधिक खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, ट्रैक साइकिलिंग प्रतियोगिता में सामने आई युवा खेल प्रतिभाएं

भिलाई। छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने की दिशा में भिलाई स्थित जयंती स्टेडियम का वेलोड्रोम एक बड़े ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बना। साइकिलिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में सेक्टर-10 स्थित वेलोड्रोम में दो दिवसीय राज्य स्तरीय ट्रैक साइकिलिंग प्रतियोगिता एवं चयन ट्रायल का भव्य व सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 35 से अधिक बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने अपनी शानदार खेल प्रतिभा, गति और उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य राज्य में ट्रैक साइकिलिंग के प्रति युवाओं में रुचि बढ़ाना, उदीयमान खिलाड़ियों को तराशना और राष्ट्रीय पटल पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने के लिए योग्य एवं प्रतिभावान साइकिल चालकों की पहचान करना था।

प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर राज्य की आधिकारिक साइकिलिंग टीम का चयन किया गया। इस चयन ट्रायल के माध्यम से चुने गए प्रतिभावान



खिलाड़ी आगामी 30 अक्टूबर से 4 नवंबर तक झारखंड की राजधानी रांची में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय ट्रैक साइकिलिंग प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। राष्ट्रीय स्तर पर मिलने वाला यह अवसर खिलाड़ियों के करियर के लिए एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा, जहां वे देश भर के शीर्ष खिलाड़ियों के बीच अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर राज्य का मान बढ़ाएंगे।

विभिन्न आयु वर्गों में चयनित हुए खिलाड़ी

प्रतियोगिता में यूथ, सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग के बालक तथा बालिका खिलाड़ियों के मध्य कड़ा मुकाबला देखने को मिला। सीनियर बालक वर्ग में कांकेर जिले के साहिल नागवंशी का चयन हुआ। जूनियर बालक वर्ग में रायगढ़ के अतुल प्रधान तथा दुर्ग के हेमेंद्र कुमार साहू और सचिन कुमार ने जगह बनाई। सब-जूनियर बालक वर्ग में दुर्ग के तुषार देवांगन, सनी कुमार एवं तुशाल साहू का चयन किया गया। वहीं यूथ बालक वर्ग में दुर्ग जिले के यश कुमार साहू, डोमेन्द्र साहू, अनिमेष नायक, ऋषभ साहू, भानु प्रताप सिंह और दीपेश निर्मलकर ने अपनी जगह पक्की की। बालिका वर्ग के मुकाबलों में भी खिलाड़ियों ने कमाल का प्रदर्शन किया। जूनियर बालिका वर्ग में दुर्ग की मेघा साहू और पुष्पांजलि का चयन हुआ। सब-जूनियर बालिका वर्ग में दुर्ग की कट्टा नेहा, हिमानी सिन्हा और रश्मि साहू चयनित हुईं। वहीं यूथ बालिका वर्ग में दुर्ग जिले की ही साक्षी सलामे, गीतिका साहू तथा शीतल देशमुख ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता का टिकट हासिल किया।



फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'द बैटमैन भाग 2' का काम अस्थायी रूप से रुका, निर्देशक मैट का व्यक्तिगत फैसला



बहुप्रतीक्षित सुपरहीरो मूवी 'द बैटमैन भाग 2' को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है कि फिल्म का फिल्मांकन हाल ही में अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। अभिनेता रॉबर्ट पैटिनसन के अभिनय से सजी इस फिल्म का दर्शक उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे हैं, किंतु निर्देशक मैट रीव्स के व्यक्तिगत एवं पारिवारिक कारणों से निर्देशन से कुछ समय के लिए अलग होने के कारण मुख्य निर्माण कार्य को स्थगित करना पड़ा है। वार्नर ब्रदर्स और डीसी स्टूडियोज ने आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि की है। डीसी स्टूडियोज ने स्पष्ट किया है कि वे पूर्ण रूप से निर्देशक मैट रीव्स के साथ खड़े हैं और जब तक वे अपने पारिवारिक विषयों को संभाल रहे हैं, तब तक फिल्मांकन पर यह रोक बनी रहेगी। मुख्य अभिनेता रॉबर्ट पैटिनसन ने भी इस निर्माण विराम पर अपनी सहमति जताई है। हालांकि इससे चलचित्र से जुड़े तकनीकी सहयोगियों के कार्य पर अस्थायी प्रभाव पड़ा है, किंतु निर्माताओं को आशा है कि निर्देशक के लौटते ही परियोजना को पुनः गति दे दी जाएगी। कई बदलावों और विलंब के पश्चात इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को सिनेमाघरों में 18 फरवरी, 2028 को प्रदर्शित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्तमान में कार्य रुकने से निर्धारित समयावधि पर क्या प्रभाव पड़ेगा, इस पर अभी कोई अंतिम टिप्पणी करना पूर्वग्रह होगा। निर्माताओं का मुख्य ध्यान अभी निर्देशक की व्यक्तिगत प्राथमिकताओं पर है और फिल्मांकन पुनः प्रारंभ होने पर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो जाएगी।

टॉलीवुड

मोहनलाल की जासूसी फिल्म 'ऑपरेशन गंगा' का जॉर्जिया में शूटिंग का दौर पूरा



मलयालम सिनेमा के वरिष्ठ अभिनेता मोहनलाल की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'ऑपरेशन गंगा' से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है कि फिल्म का जॉर्जिया का चित्रांकन चरण सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुका है। यह चलचित्र भारत के एक विशाल एवं चुनौतीपूर्ण निष्क्रमण अभियान (बचाव मिशन) पर आधारित एक उच्च स्तरीय गुप्तचर कथा (स्पाई थ्रिलर) है। जॉर्जिया में मुख्य चित्रांकन पूर्ण होने की जानकारी अभिनेत्री भाग्यश्री बोरसे ने सामाजिक माध्यमों पर साझा की। इस फिल्म में वे एक मुख्य भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने फिल्मांकन पूर्ण होने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सहयोगियों के साथ चित्र साझा किए और वरिष्ठ अभिनेता मोहनलाल के साथ कार्य करने के अनुभव को अपने लिए एक सौभाग्य बताया। जॉर्जिया चरण के दौरान फिल्म के कई महत्वपूर्ण एवं रोमांचक दृश्यों का चित्रांकन किया गया है।
राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता विष्णु मोहन द्वारा निर्देशित इस फिल्म का मूल वाक्य 'एक राष्ट्र का वचन' (ए नेशंस प्रॉमिस) रखा गया है। मोहनलाल के अतिरिक्त इसमें अर्जुन रामपाल, आदिल हुसैन और आर. पार्थिबन जैसे प्रतिष्ठित कलाकार मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म की भव्यता और इसकी कथा को लेकर दर्शकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

भोजपुरी

जौनपुर में 'भूतनी का बदला' के मंच पर भीषण अग्नि दुर्घटना टली



भोजपुरी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री संजना पांडेय अपनी आगामी हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूतनी का बदला' के चित्रांकन के दौरान एक गंभीर दुर्घटना का शिकार होने से बच गईं। उत्तर प्रदेश के जौनपुर (बदलापुर) में फिल्म की शूटिंग चल रही थी, जहाँ एक विशेष दृश्य के दौरान सेट पर अचानक भीषण आग लग गई। दृश्य की आवश्यकतानुसार अभिनेत्री संजना पांडेय को आग के बीच खड़े होकर अभिनय करना था, जिसके लिए सुरक्षा मानकों के तहत ज्वलनशील सामग्री का उपयोग किया गया था। लेकिन शूटिंग के दौरान तेज हवा चलने के कारण आग बेकाबू हो गई और उसकी लपटें अभिनेत्री के कपड़ों तक पहुँच गईं। कपड़ों में आग लगते ही मंच पर हड़कंप मच गया। हालात की गंभीरता को देखते हुए दल के सदस्यों ने बिना देरी किए पानी डालकर आग को शांत किया और संजना को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।
सहयोगियों की सूझबूझ से एक बड़ी दुर्घटना टल गई और अभिनेत्री को कोई गंभीर चोट नहीं आई। दुर्घटना के पश्चात संजना पांडेय ने राहत की सांस लेते हुए स्वयं एवं दल के सभी सदस्यों के पूर्णतः सुरक्षित होने की पुष्टि की। इस भयावह अनुभव के पश्चात भी दल का उत्साह बना हुआ है और कलाकारों ने विश्वास जताया है कि यह रोमांचक चलचित्र दर्शकों को अत्यंत भाएगा।

पटोला प्रिंट का जादू



अभिनेत्री एवं मॉडल कृति सेनन के इस खूबसूरत पारंपरिक परिधान को प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर मयूर गिएत्रोत्रा ने तैयार किया गया है। यह पहनावा किसी भी पारंपरिक उत्सव, पर्व अथवा वैवाहिक समारोह के अवसर के लिए अत्यंत उपयुक्त है। इस पोशाक की मुख्य विशेषता इसका जीवंत और बहुरंगी पटोला-प्रिंट दुपट्टा है, जिसके किनारों पर कलात्मक मिरर वर्क और कौड़ियों की झालरें लगी हुई हैं। इसके साथ उन्होंने पारंपरिक स्वर्ण आभूषण धारण किए हैं तथा ललाट पर छोटी सी बिंदी लगाकर अपने रूप को पूर्ण किया है, जो भारतीय संस्कृति और आधुनिक परिधान शैली का एक बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत करता है।

त्वचा को बेदाग निखार देंगे इलेक्ट्रिक एवं सोनिक मेकअप ब्रश

बदलत कालक्रम क साथ सादय प्रसाधन का तकनाक म भा क्रांतिकारी परिवर्तन आए हैं। वर्तमान में सौंदर्य उद्योग में इलेक्ट्रिक एवं सोनिक मेकअप ब्रश अत्यंत चर्चा में हैं। साधारण हाथों या स्पंज से मेकअप लगाने का समय अब पीछे छूट रहा है। आधुनिक महिलाओं के मध्य अपनी पहचान बना रहे ये यंत्रीकरण उपकरण त्वचा पर बिना किसी विशेष प्रयास के व्यावसायिक स्तर का पूर्ण निखार देने के लिए जाने जाते हैं।

सूक्ष्म-कंपन तकनीक की कार्यप्रणाली

इन आधुनिक ब्रुशों की मुख्य विशेषता इनमें प्रयुक्त सूक्ष्म-कंपन और ध्वनि तरंग तकनीक है। पारंपरिक ब्रुशों की तुलना में ये उपकरण प्रति मिनट हजारों बार कंपन करते हैं। जब आप इसे चेहरे पर चलाते हैं, तो इसके सूक्ष्म कंपन आधार फाउंडेशन, दाग-धब्बे छिपाने वाले कंसीलर और रूप-रेखा उभारने वाले प्रसाधनों को त्वचा में अत्यंत सहजता से समाहित कर देते हैं। इससे चेहरा प्राकृतिक और एयरब्रश से संवारने जैसा दिखाई देता है।

प्रसाधनों की बचत और प्राकृतिक निखार

इन विद्युत ब्रशों का एक बड़ा लाभ यह है कि इनसे सौंदर्य प्रसाधनों की खपत कम होती है। साधारण स्पंज से लगाने पर अधिकांश द्रव सोख लिया जाता है या चेहरे पर असंतुलित दिखता है। इसके विपरीत, यह तकनीक कम मात्रा में प्रसाधन का प्रयोग करके उसे उत्कृष्ट रूप से फैलाती है, जिससे चेहरा भारी दिखने के बजाय हल्का और तरोताजा नजर आता है।



व्यस्त दिनचर्या में त्वरित परिणाम

समय की सीमा से बंधी कामकाजी महिलाओं और छात्राओं के लिए यह तकनीक अत्यंत उपयोगी है। जहाँ पूर्व में आधार प्रसाधन तैयार करने में अधिक समय लगता था, वहीं अब इसकी सहायता से कुछ ही मिनटों में व्यावसायिक निखार प्राप्त हो जाता है। इससे त्वचा के छिद्रों में प्रसाधन भली-भांति स्थिर हो जाता है, जिससे दीर्घकाल तक बेदाग निखार बना रहता है। यदि आप भी अपने सौंदर्य रूटीन को उन्नत बनाना चाहती हैं, तो इसे अपनी वैनिटी का हिस्सा अवश्य बनाएँ।

शैली और आराम का संगम ट्रेंडिंग फुटवियर

फैशन जगत में सही फुटवियर का चयन आपके संपूर्ण व्यक्तित्व को परिवर्तित कर सकता है। इन दिनों महिला फुटवियर रुझानों में आकर्षण के साथ-साथ सहजता को मुख्य स्थान दिया जा रहा है। पारंपरिक अवतार हो, कार्यालयीन पहनावा हो या सामान्य भ्रमण, हर अवसर के लिए आधुनिक विकल्प उपलब्ध हैं।

ब्लॉक हील्स

ऊँची हील्स के आकर्षक रूप और आराम का सही मिश्रण 'ब्लॉक हील्स' हैं। पतली हील्स की तुलना में इनमें पैरों पर भार कम पड़ता है और संतुलन बनाना सहज होता है। पारंपरिक परिधान हों या पाश्चात्य वस्त्र, तटस्थ और मेटल रंगों की ब्लॉक हील्स हर परिधान के साथ जंचती हैं।

म्यूल्स एवं क्लोग्स

पीछे से खुले (बैकलेस) प्रारूप वाले म्यूल्स इस समय युवा वर्ग और कामकाजी महिलाओं की पहली पसंद बने हुए हैं। इन्हें पहनना और उतारना अत्यंत सरल है। कढ़ाई, मोती कार्य और चमड़े की बनावट वाले म्यूल्स बिना किसी विशेष प्रयास के एक भव्य रूप प्रदान करते हैं।

चंकी स्नीकर्स

पाश्चात्य और सामान्य फैशन में मोटे सोले वाले



स्नीकर्स का वर्चस्व है। जीन्स और शॉर्ट्स ही नहीं, बल्कि अब युवतियां इन्हें मुद्रित परिधानों और इंडो-वेस्टर्न वस्त्रों के साथ भी पहन रही हैं। यह न केवल देखने में आधुनिक लगते हैं, बल्कि दिनभर चलने-फिरने के लिए अत्यधिक आरामदायक होते हैं। यदि आप अपनी लंबाई थोड़ी बढ़ाना चाहती हैं किंतु हील्स के कष्ट से बचना चाहती हैं, तो प्लेटफॉर्म सैंडल्स सर्वश्रेष्ठ विकल्प हैं। इनमें एड़ी और पंजे दोनों तरफ समान रूप से मोटा तला होता है, जिससे पैरों पर तनाव

मेंस फैशन में आए नए बेल्ट्स, जरूर आजमाइए



पुरुषों के परिधान में बेल्ट को सदैव से एक महत्वपूर्ण अंग माना गया है। एक सही बेल्ट न केवल आपके पैंट या जींस को सही आकार देती है, बल्कि आपके संपूर्ण व्यक्तित्व को निखारकर एक शिष्ट पहचान भी प्रदान करती है। बदलते दौर के साथ पुरुषों की बेल्ट्स में भी पारंपरिक चमड़े से लेकर आधुनिक बकल वाले विकल्प उपलब्ध हैं।

क्लासिक फुल-ग्रेन लेदर बेल्ट

औपचारिक परिधानों और व्यावसायिक बैठकों के लिए काले और गहरे भूरे रंग की लेदर बेल्ट का चलन सदैव बना रहता है। ये बेल्ट्स अपनी मजबूती और उत्कृष्ट बनावट के लिए जानी जाती हैं। औपचारिक पैंट और सूट के साथ सादे धातु बकल वाली लेदर बेल्ट पुरुषों को एक अत्यंत गभीर और व्यावसायिक रूप देती है।

रिवर्सिबल बेल्ट

आज की व्यस्त जीवनशैली में सुविधा और शैली का संगम रिवर्सिबल बेल्ट अत्यधिक पसंद की जा रही हैं। इन बेल्ट्स की मुख्य विशेषता यह है कि इनका बकल घुमाकर आप एक ही बेल्ट को दोनों तरफ से प्रयोग कर सकते हैं—जैसे एक तरफ काला रंग और दूसरी तरफ गहरा भूरा रंग। यह यात्रा या दैनिक कार्यालयीन उपयोग के लिए अत्यंत व्यावहारिक विकल्प है।

वोवन एवं टेक्सचर्ड बेल्ट

सामान्य और ग्रीष्मकालीन फैशन में बुनी हुई चमड़े या कपड़े की बेल्ट्स का आकर्षण बढ़ा है। जीन्स और चिनोस के साथ इस प्रकार की बेल्ट्स एक मजबूत और सहज रूप देती हैं। इसमें टैन, गहरा नीला और जैतूनी हरा रंग युवाओं के बीच अत्यधिक लोकप्रिय है।

स्टेटमेंट बकल बेल्ट

यदि आप उत्सव परिधान या साहसिक फैशन पसंद करते हैं, तो विंटेज फिनिश या धात्विक चिन्ह वाले आकर्षक बकल वाली बेल्ट्स आपके लुक को निखार सकती हैं। इन्हें सामान्यतः उत्कृष्ट डेनिम जीन्स या जैकेट्स के साथ पहना जाता है।

ओवरसाइज़्ड ट्रेंच कोट और को-ऑर्ड लाउंज वियर का जादू लुभा रहा



आज के समय में परिधान उद्योग में बदलाव तीव्र गति से हो रहे हैं, जहाँ अब शैली के साथ-साथ शारीरिक सहजता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में वर्तमान फैशन रुझानों में दो परिधान हल्के ओवरसाइज्ड ट्रेंच कोट और को-ऑर्ड लाउंज वियर सेट सबसे आगे हैं। ये दोनों ही परिधान आज की पीढ़ी की पहली पसंद बन चुके हैं, जो साधारण अवतार में भी एक भव्य और प्रभावशाली छाप जोड़ते हैं।



हल्के ओवरसाइज्ड ट्रेंच कोट का आकर्षण

पारंपरिक रूप से ट्रेंच कोट को भारी शीतकालीन वस्त्र माना जाता था, किंतु आधुनिक शैली ने इसे नया रूप दिया है। वर्तमान में कॉटन, लिनेन और रेशम के मिश्रण जैसे हल्के व श्वसन योग्य वस्त्रों से बने ट्रेंच कोट का चलन अत्यधिक है। इन्हें केवल सर्दियों में ही नहीं, अपितु हल्की ठंड या सुहावने मौसम में भी सरलता से पहना जा सकता है। साधारण टी-शर्ट और जीन्स के ऊपर इसे धारण करते ही संपूर्ण रूप तुरंत निखर जाता है।



लाउंज वियर का नया और सुरुचिपूर्ण स्वरूप

आरामदायक वस्त्रों की माँग ने लाउंज वियर को घर की सीमा से निकालकर मुख्य फैशन मंच तक पहुँचा दिया है। अब लाउंज वियर का अर्थ केवल ढीले-ढाले वस्त्र नहीं, अपितु उत्तम को-ऑर्ड सेट हैं, जिनमें ऊपरी और निचला वस्त्र एक ही रंग व कपड़े का होता है। ये सेट इतने बहुपयोगी हैं कि इन्हें गृह-विश्राम से लेकर यात्रा, सामान्य भ्रमण या मित्रों के साथ मिलने-जुलने के दौरान भी पहना जा सकता है।

दोनों परिधानों का सटीक संयोजन कैसे करें?

जब आप हल्के ओवरसाइज्ड ट्रेंच कोट को को-ऑर्ड लाउंज वियर सेट के साथ जोड़ते हैं, तो यह एक अत्यंत सहज और आधुनिक रूप देता है। इसके साथ आरामदायक स्नीकर्स, न्यूनतम आभूषण और एक सुंदर थैला (टोट बैग) इस अवतार को और भी निखार देता है।

कार्नर न्यूज

त्योहारों में छाईं रेडी-टू-वियर और बेल्ट युक्त साड़ियाँ, बिना झंझट सहज होकर बनें डांडिया का हिस्सा

त्योहारों में छाईं रेडी-टू-वियर और बेल्ट युक्त साड़ियाँ, बिना झंझट सहज होकर बन जाएं डांडिया का हिस्सा

पारंपरिक सौंदर्य और आधुनिक सहजता की प्रतीक हैं नईं साड़ियां
भारत में पर्वों का आगमन होते ही महिलाओं के परिधानों में सबसे पहला नाम साड़ियों का आता है। दशकों से साड़ी भारतीय नारी के पारंपरिक सौंदर्य का प्रतीक रही है, किंतु समय के साथ इसे धारण करने की शैली में पर्याप्त बदलाव आया है। विशेषकर नवरात्रि और गरबा उत्सवों में जब पारंपरिक परिधानों में सजने की बात आती है, तो महिलाएं ऐसा परिधान चाहती हैं जो आकर्षक दिखने के साथ-साथ पूर्णतः आरामदायक भी हो। इस पर्वोत्सव में 'रेडी-टू-वियर' और 'बेल्टेड साड़ियाँ' फैशन जगत की मुख्य पसंद बनकर उभरी हैं।
'रेडी-टू-वियर' साड़ियों की सुगमता
साड़ी धारण करना एक कला है, जिसकी परतों (चुन्नटों) को व्यवस्थित करने में प्रायः काफी समय लग जाता है। नौकरीपेशा युवतियों और कामकाजी महिलाओं के लिए पर्वों के दौरान साड़ियों को संभालना एक चुनौती होता है। इसी समस्या का समाधान 'रेडी-टू-वियर' साड़ियाँ हैं। इन साड़ियों में



चुन्नटें पहले से सिली हुई होती हैं, जिससे इन्हें मात्र एक-दो मिनट में सरलता से पहना जा सकता है। इसमें पल्लू फिसलने या परतें बिगड़ने का भय नहीं रहता।

'बेल्टेड साड़ियाँ' साड़ियों का आधुनिक स्पर्श

गरबा और डांडिया की धुनों पर नृत्य करते समय पारंपरिक साड़ी को संभालना कठिन हो जाता है। इस समस्या से मुक्ति दिलाने और रूप को आधुनिक बनाने के लिए 'बेल्टेड साड़ियाँ' का चलन बढ़ रहा है। साड़ी के साथ मिलानदार या विपरीत रंग की बेल्ट न केवल कमर को सुंदर आकार देती है, बल्कि पल्लू और चुन्नटों को भी अपने स्थान पर स्थिर रखती है। यह भारतीय-पाश्चात्य रूप युवा पीढ़ी के मध्य अत्यधिक लोकप्रिय है।

